रांची, सोमवार, 04 मई 2026

संवत 2083, जेष्ठ कृष्ण पक्ष 03 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 229, पृष्ट-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ तकनीक का जाल या उपभोक्ता की मजबूरी?

परिणीति चोपड़ा ने दिया सेल्फ लव का संदेश ◂◂ 6

विधानसभा चुनाव परिणाम

बंगाल में भगवा की चमक, तमिलनाडु में विजय की धमक, असम में बिस्वा पर विश्वास कायम

नई दिल्लीः पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की मतगणना के शुरूआती रूझानों में असम और पुड्डुचेरी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार की वापसी होती दिख रही है, जबकि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में भारी उलटफेर की संभावना के साथ क्रमशः भारतीय जनता पार्टी और टीवीके स्पष्ट बढ़त बनाए हुए हैं। रुझानों में पश्चिम बंगाल में भाजपा को 193 और टीएमसी को 95 सीटों पर बढ़त मिल रही है, जबकि तमिलनाडु में विजय थलपति की पार्टी टीवीके सबसे ऊपर है। टीवीके 110 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है।

केरल में भी एक दशक बाद कांग्रेस के नेतृत्व में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा की सरकार बनने की प्रबल संभावना है। चुनाव आयोग के शुरूआती रूझानों के आंकड़ों के अनुसार असम विधानसभा की 126 में से 124 सीटों के रूझान मिलने हैं और इनमें भाजपा को 98 और कांग्रेस को 26 सीटों पर बढत हासिल है। केरल विधानसभा की 140 में 128 सीटों के रूझान मिले हैं, जिनमें से कांग्रेस को 95, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी को 42 और भाजपा को 2 सीटों पर बढ़त मिल रही है। पुड्डुचेरी विधानसभा की 30 में से 16 सीटों के शुरूआती रूझानों में एआईएनआरसी 8, निर्दलीय 3, भाजपा 2, कांग्रेस 2 और द्रमुक दो सीटों पर आगे चल रही है।

तमिलनाडु-पश्चिम बंगाल में उलटफेरः तमिलनाडु में भी शुरूआती रूझानों में एग्जिट पोल के विपरीत भारी उलटफेर देखने को मिला है और विधानसभा की 234 में से 219 सीटों के रूझानों में विजय थलपति की पार्टी टीवीके अप्रत्याशित रूप से सबसे आगे 108 सीटों पर, अन्नाद्रमुक दूसरे स्थान पर 69 तथा सत्तारूढ द्रमुक 57 सीटों के साथ तीसरे स्थान पर है। पश्चिम बंगाल में एग्जिट पोल के अनुमानों के अनुरूप भाजपा को शुरूआती रूझानों में स्पष्ट बढ़त मिल रही है। राज्य की 294 विधानसभा सीटों में से रूझानों में विपक्षी भाजपा 191 तो सत्तारूढ तृणमूल कांग्रेस केवल 98 सीटों पर आगे चल रही है।

टेंडर घोटाला : बिंदेश्वर राम की गवाही कोर्ट में हुई दर्ज

रांची : टेंडर घोटाला के जरिए करोड़ों रुपए की मनी लाउंड्रिंग करने के आरोपी पूर्व मंत्री आलमगीर आलम से जुड़े केस में रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई। सोमवार की सुनवाई के दौरान इडी की ओर से बिंदेश्वर राम की गवाही कोर्ट में दर्ज करवाई गई।

गवाही के बाद इडी का अगला निशाना संतोष कुमारः बिंदेश्वर राम ने अपनी गवाही में कोर्ट को बताया कि उन्होंने आलमगीर आलम के ओएसडी संजीव लाल को प्रॉपर्टी दिलवाई थी और संजीव लाल ने अपनी पत्नी के नाम पर प्रॉपर्टी खरीदी थी। इस गवाही के बाद अब मंगलवार को इड़ी की ओर से संतोष कुमार का बयान दर्ज करवाया जाएगा। संतोष कुमार इंजीनियर और ठेकेदारों से पैसा कलेक्शन करने की भूमिका में था।

बंगाल के रुझानों में भाजपा को प्रचंड बहुमत सीटें 190 पार, टीएमसी 86 पर सिमटी

- ✔ कूच बिहार में झड़प–लाठीचार्ज, जमुरिया में आगजनी, ममता के घर के बाहर जय श्रीराम के नारे

एजेंसी

नई दिल्ली : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजे के लिए काउंटिंग जारी है। अब तक रुझानों के मुताबिक, सूबे में बीजेपी की सरकार बनती दिख रही है। बंगाल की 293 सीटों पर वोटों की गिनती जारी है। यहां कुल 294 विधानसभा सीटें हैं लेकिन वोटिंग 293 सीटों पर ही हुई है। बंगाल पर लंबे वक्त से बीजेपी की नजर टिकी हुई थी। अब इस पूर्वी राज्य में एक बड़ी सियासी उथल-पुथल लाने की राह पर दिख रही है। बीजेपी ने 147 सीटों का बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है और अब 190 से ज्यादा सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। यह ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस से काफी आगे है, जो शुरूआती रुझानों में करीब 100 सीटों के आसपास बनी हुई है।

सबसे अहम बात यह है कि प्रेसिडेंसी इलाके पर टीएमसी की पकड़ ढीली पड़ती दिख रही है। अगर ये बढ़त बनी रहती है, तो यह बीजेपी के लिए एक ऐतिहासिक जीत और टीएमसी के लिए एक बड़ा झटका साबित होगा, जो पिछले 15 सालों से बंगाल की सत्ता में काबिज है।

राज्य में इस बार दो चरणों- 23 और 29 अप्रैल को मतदान कराया गया था। बंगाल में इस बार के चुनाव में रिकॉर्ड मतदान भी देखने को मिला, जिससे सियासी दलों की धड़कनें बढ़ गईं थीं। दोनों चरणों में 90 फीसदी से ज्यादा मतदान दर्ज किया गया, जिसे बंगाल के चुनावी इतिहास में बेहद अहम माना जा रहा है।

भवानीपुर से 7वें राउंड के बाद ममता बनर्जी बड़ी बढ़त पर

चुनाव आयोग के रुझानों के मुताबिक, भवानीपुर सीट पर मतगणना के सातवें राउंड के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 17,371 वोटों के साथ आगे चल रही हैं।

जंगली हाथी ने एक व्यक्ति को पटककर मार डाला

संवाददाता

सरायकेलाः सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत चांडिल रेंज के कुकड़ू प्रखंड क्षेत्र में जंगली हाथी का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते रविवार शाम करीब 7 बजे एक दर्दनाक घटना में जंगली हाथी ने एक व्यक्ति को पटककर मार डाला। इस घटना के बाद पूरे इलाके में भय और आक्रोश का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान कुकड़ू गांव निवासी मुनि राम गोराई (50 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना कुकड़ू प्रखंड के निचे क्षेत्र के पास हुई, जहां जंगली हाथी ने अचानक हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बाद मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से जंगली हाथी लगातार अलग-अलग गांवों में घूमकर उत्पात मचा रहा है। ग्रामीणों के बीच दहशत का माहौल है और लोग शाम होते ही घरों में कैद होने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि हाथी को जल्द से जल्द जंगल की ओर खदेड़ा जाए और प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, जिससे कि ऐसी घटनाएं फिर न हो। वहीं, प्रशासन और वन विभाग के प्रति ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। 23 दिनों के अंदर इन लोगों की गई जानः 23 दिनों के अंदर हाथी ने और एक की जान ले ली हैं। बीते 11 अप्रेल को कुकड़ू प्रखंड के सापारुम गांव में हाथी ने राधा तांती को कुचल कर मार डाला था। 25 अप्रैल ईचागढ़ के हाड़ात में मां चाइना देवी व उसकी बेटी अमिता कुमारी को कुचल कर मार डाला और आज 4 मई को कुकड़ू में कुकड़ू गांव निवासी मुनि राम गोराई (50 वर्ष) को पटककर मार डाला।

जालौन में भीषण सड़क हादसा छह लोगों की मौत, चार गंभीर

एजेंसी

जालौन : जालौन जनपद के कालपी कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा जोल्हुपुर मोड़ के पास हुआ, जहां अयोध्या से उरई लौट रही एक कार चालक को झपकी आने से अनियंत्रित होकर आगे चल रहे वाहन से जा भिड़ी।

मिली जानकारी के अनुसार, ललितपुर जनपद के महरौनी निवासी शशिकांत तिवारी अपने परिजनों के साथ अयोध्या दर्शन करने गए थे। दर्शन के बाद सभी लोग कार से वापस लौट रहे थे। सोमवार सुबह करीब 6 बजे जैसे ही उनकी कार कालपी क्षेत्र के जोल्हुपुर मोड़ के पास पहुंची, चालक को अचानक झपकी आ गई, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर सामने चल रहे वाहन से टकरा गया।

टक्कर इतनी भीषण थी कि चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद घायलों को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। कुछ घायल करीब एक घंटे तक कार के केबिन में फंसे रहे, जिन्हें स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से बाहर निकाला गया।

हादसे के बाद मची चीख-पुकारः कार में कुल 10 लोग सवार थे। सभी एक ही परिवार के सदस्य बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कालपी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

10 मिनट तक मेडिकल कॉलेज के बाहर तड़पते रहे मरीज : घायलों को लेकर एम्बुलेंस मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी के बाहर पहुंची, लेकिन मरीज को उतारने के लिए वहां पर कोई भी वार्ड बॉय नहीं नहीं था। हालत यह रही कि मरीज 10 मिनट तक एंबुलेंस में ही तड़पते रहे इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने किसी तरह मरीजों को बाहर निकाला और इमरजेंसी के अंदर पहुंचा जहां वह जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं।

दो बाइकों की टक्कर के बाद मदद करने पहुंचे लोगों को कार ने कुचला, आठ की मौत

लखनऊ : अंबेडकरनगर के जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के अकबरपुर मार्ग पर अशरफपुर के पास देर रात करीब 12:00 बजे दो मोटरसाइकिल की आमने–सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार लोग घायल हो गए। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग उनकी मदद करने के लिए पहुंचे। यह दोनों भाई एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने जलालपुर गए थे। वापस लौटते समय हादसा हो गया। तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर गाड़ी ने वहां मौजूद लोगों को टक्कर मार दी और गड्ढे में जाकर पलट गई थी। पिता मायाराम का हादसे के बाद से बुरा हाल है। वहीं अभी दो अन्य शवों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी डॉ जयवीर सिंह ने बताया कि सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। अज्ञात शवों की शिनाख्त करने का प्रयास किया जा रहा है।

हमारी जनगणना हमारा विकास

गृह मंत्रालय भारत सरकार

(जनगणना 2027 का पहला चरण)
स्व-गणना (Self Enumeration) से जुड़े सामान्य प्रश्न और उत्तर (भाग-2)

स्व-गणना क्या है?
स्व-गणना एक ऑनलाइन प्रक्रिया है जिसमें आप प्रगणक की प्रतीक्षा किए बिना, स्वयं SE पोर्टल (se.census.gov.in) पर अपने परिवार की जानकारी भर सकते हैं

स्व-गणना के क्या लाभ हैं?
- अपनी सुविधा से जानकारी भर सकते हैं
- गोपनीयता सुनिश्चित
- जनगणना प्रक्रिया को तेज़ और कुशल बनाती है

स्व-गणना पोर्टल में लॉग-इन कैसे करें?
- राज्य / संघ राज्य क्षेत्र चुनें
- मुखिया का नाम, मोबाइल नंबर और ईमेल (वैकल्पिक) भरें
- OTP द्वारा सत्यापन करें
- स्व-गणना शुरू करें

अपने घर का सही स्थान कैसे चिन्हित करें?
- जिला / पिनकोड चुनें
- क्षेत्र / लैंडमार्क दर्ज करें
- मैप पर ज़ूम करें और घर के पास लोकेशन मार्क करें (सटीक पता न दिखने पर घबराएं नहीं)
- सही लोकेशन चिन्हित करना आवश्यक है

क्या मैं अपनी जानकारी बाद में संशोधित कर सकता / सकती हूँ?
- सबमिट करने से पहले एडिट कर सकते हैं
- सबमिशन के बाद, प्रगणक के आने पर ही बदलाव संभव होगा

क्या स्व-गणना (SE) पोर्टल को भारत के बाहर से एक्सेस किया जा सकता है?
नहीं, यह सुविधा केवल भारत की भौगोलिक सीमा के भीतर उपलब्ध है

यदि सबमिशन के बाद गलती पता चले तो क्या करें?
प्रगणक के आने पर SE ID के साथ सुधार करवाया जा सकता है

क्या मैं फॉर्म सेव करके बाद में पूरा कर सकता / सकती हूँ?
हां, आप प्रोग्रेस सेव कर सकते हैं और निर्धारित समय के भीतर फॉर्म पूरा कर सकते हैं

CBC 19108/13/0080/2627

टोल फ्री - 1855

चलो निभाएं अपनी ज़िम्मेदारी, करें जनगणना में भागीदारी CensusIndia2027

जनगणना में सरना धर्मकोड की मांग मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र

संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जनगणना 2027 को लेकर बड़ा मुद्दा उठाया है। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार को पत्र लिखकर आदिवासी समुदाय के सरना धर्म को अलग पहचान देने की मांग की है। उन्होंने आग्रह किया है कि द्वितीय चरण की जनगणना के लिए निर्धारित किए जाने वाले प्रपत्र में सरना धर्म को अलग कोड देते हुए उसकी विशिष्ट पहचान को बरकरार रखने की कृपा की जाए।

आदिवासी समाज के विकास पर पड़ेगा असरः मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में कहा कि जनगणना सिर्फ लोगों की गिनती नहीं होती है बल्कि यह देश की नीतियों और विकास की दिशा तय करने का अहम आधार होती है। ऐसे में अगर किसी समुदाय की सही पहचान और उसके धार्मिक पहलुओं को दर्ज नहीं किया जाता है तो इससे उस समाज के विकास पर असर पड़ सकता है।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार को पत्र लिखकर आगामी जनगणना के दूसरे चरण में आदिवासी/सरना धर्म (अथवा अन्य सदृश्य धार्मिक व्यवस्था) को अलग कोड देते हुए समाज को पृथक पहचान प्रदान किए जाने के संबंध में राज्य की जनभावनाओं, झारखण्ड विधानसभा के संकल्प तथा आदिवासी समाज को पहचान देने की बात कही।

उन्होंने यह भी बताया कि झारखंड सरकार जनगणना प्रक्रिया में पूरी तरह सहयोग कर रही है और खुद उन्होंने भी सेल्फ एन्यूमरेशन में हिस्सा लिया है लेकिन इस दौरान यह बात सामने आई कि धर्म से जुड़े आंकड़े दूसरे चरण में जुटाए जाएंगे। इसी को देखते हुए उन्होंने फिर से सरना धर्म के लिए अलग कोड की मांग दोहराई है। सरना धर्म की है विशिष्ट पहचानः मुख्यमंत्री ने पत्र में आदिवासी समाज की

परंपराओं और आस्था का जिक्र करते हुए कहा कि सरना धर्म की अपनी अलग पूजा पद्धति, प्रकृति पूजन, ग्राम देवता और पारंपरिक रीति-रिवाज हैं, जो इसे एक विशिष्ट पहचान देते हैं। बावजूद इसके अब तक इसे जनगणना में अलग धर्म के रूप में दर्ज नहीं किया गया है।

लाखों लोग हैं चाहते हैं सरना धर्मः उन्होंने यह भी याद दिलाया कि 2011 की जनगणना में देश के 21 राज्यों के करीब 50 लाख लोगों ने खुद से सरना लिखकर अपनी पहचान दर्ज कराई थी, भले ही इसके लिए कोई अलग कोड नहीं था ऐसे में अब समय आ गया है कि इस पहचान को औपचारिक रूप से मान्यता दी जाए। आदिवासियों के लिए योजनाएं बनाने में मिलेगी मददः मुख्यमंत्री ने बताया कि झारखंड राज्य की स्थापना ही आदिवासी पहचान के आधार पर हुई है, इसलिए यहां की नीतियां और योजनाएं भी स्थानीय समुदायों की भावनाओं से जुड़ी हैं। अगर सरना धर्म को अलग कोड मिलता है, तो इससे डाटा और बेहतर तरीके से सामने आएगा और योजनाएं बनाने में भी मदद मिलेगी।

सड़क हादसे में एक महिला की मौत

रांची से बाबा आम्रेश्वर धाम पूजा करने जा रहा था परिवार

संवाददाता

रांची : जिले के हरमू विद्यानगर निवासी एक परिवार बाबा आम्रेश्वर धाम पूजा करने खूंटी आ रहा था। इसी दौरान रांची-खूंटी रोड पर तजना नदी के समीप हुए सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहे व्यक्ति घायल हो गए। उनकी बेटी को मामूली चोटें आई हैं। घटना रविवार दोपहर करीब 12 बजे की बतायी जा रही है।

जानकारी के अनुसार मनीष कुमार अपनी पत्नी बिनिता देवी और बेटी अरुणा कुमारी के साथ बाइक से राँची से खूंटी आ रहे थे। जैसे ही वे तजना नदी के पास पहुंचे, तभी एक तेज रफ्तार चार चक्का वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मनीष कुमार और बिनिता देवी सड़क पर गिरकर बेहोश हो गए, जबकि उनकी बेटी को हल्की चोटें आईं।

घटना के बाद आसपास के लोगों और राहगीरों ने तीनों को तत्काल खूंटी सदर अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने बिनिता देवी को मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि उनके चेहरे पर गंभीर चोटें लगी थीं। घायल मनीष कुमार का इलाज किया जा रहा है।

घटना के संबंध में अरुणा कुमारी ने बताया कि वे अपने माता-पिता के साथ बाबा आम्रेश्वर धाम पूजा करने आ रहे थे। इसी दौरान एक चार चक्का वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही परिजन सदर अस्पताल पहुंचे, जहां परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल था। पुलिस को घटना की जानकारी दी गई, जिसके बाद पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर शव का पोस्टमार्टम कराया। बाद में शव परिजनों को सौंप दिया गया।

चालक को नशा की दवा खिलाकर लूटी कार, बेहोशी की हालत में मिला चालक

संवाददाता

खूंटी : थाना क्षेत्र के चुकरु मोड़ के पास शुक्रवार शाम एक चालक को नशीला पदार्थ खिलाकर अर्टिगा कार लूटने का मामला सामने आया है। घटना के बाद चालक दुष्यंत साहू गंभीर हालत में बेहोश पाया गया, जिसे पुलिस ने सदर अस्पताल खूंटी में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार उड़ीसा के अंगुल निवासी चालक दुष्यंत साहू अपनी अर्टिगा कार से दो लोगों को भाड़े पर लेकर राँची गया था। राँची में दोनों युवकों ने एक शर्मा होटल से खाना लिया। बताया जा रहा है कि एक युवक ने वहीं खाना खाया, जबकि बाकी खाना पैक कराकर वे लोग चुकरु मोड़ के पास पहुंचे। आरोप है कि दोनों युवकों ने चालक दुष्यंत साहू को खाने में नशीला पदार्थ मिलाकर खिला दिया। खाना खाने के बाद जैसे ही दुष्यंत चालक सीट पर बैठा, वह बेहोश हो गया।

इसके बाद दोनों आरोपियों ने उसे गाड़ी से नीचे उतारकर बेरहमी से पिटाई की और मृत समझकर छोड़ दिया। आरोपी चालक का मोबाइल, कागजात, नकदी और अर्टिगा कार लेकर फरार हो गए। शनिवार सुबह घटना की जानकारी मिलने पर खूंटी पुलिस मौके पर पहुंची और बेहोशी की हालत में पड़े चालक को सदर अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार चालक अभी भी नशे के प्रभाव में है तथा उसके शरीर पर मारपीट के निशान हैं। इस संबंध में एसपी ऋषभ गर्ग ने बताया कि चुकरु मोड़ के निकट एक चालक बेहोशी की हालत में मिला था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दो लोगों ने उसे कुछ खिलाकर बेहोश किया और मारपीट कर वाहन लेकर फरार हो गए। चालक का इलाज सदर अस्पताल खूंटी में कराया जा रहा है। परिजनों को सूचना दे दी गई है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गुप्ता होटल और स्टोर चोरों के निशाने पर, तीन दिन में दो बार चोरी

संवाददाता

खूंटी : जिले में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं ने व्यापारियों की चिंता बढ़ा दी है। ताजा मामला तोरपा रोड स्थित गुप्ता होटल और गुप्ता स्टोर का है, जहां बीते तीन दिनों के भीतर चोरों ने दो बार हाथ साफ कर दिया। लगातार हो रही चोरी से दुकानदारों में भय का माहौल है और इलाके के व्यापारी भी सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार पहली घटना 1 मई की रात की है। चोर गुप्ता होटल की छत पर लगे एल्बेस्टर को तोड़कर दुकान के अंदर घुसे। दुकान में प्रवेश करने के बाद चोरों ने पहले वहां लगे सीसीटीवी कैमरों को डब्बे से ढंक दिया ताकि उनकी पहचान न हो सके। इसके बाद चोर दुकान में रखे करीब 6 से 7 हजार रुपये नगद समेत खाने-पीने का सामान लेकर फरार हो गए। चोरी हुए सामान में दो पेटी रेड बुल और एक पेटी मॉन्स्टर कैन कोल्ड ड्रिंक भी शामिल है।

पहली चोरी की घटना के बाद दुकानदार अभी संभल भी नहीं पाए थे कि कुछ ही दिनों बाद चोरों ने दोबारा उसी परिसर को निशाना बना लिया। इस बार चोर गुप्ता स्टोर में छत तोड़कर अंदर घुसे और करीब 3 हजार रुपये नगद के साथ सिगरेट, साबुन और कई अन्य सामान चोरी कर फरार हो गए।

हालांकि चोरों ने कैमरों को ढंकने की कोशिश की, लेकिन उनकी गतिविधियां सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गईं। फुटेज के आधार पर यह आशंका जताई जा रही है कि चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले लोग स्थानीय हो सकते हैं, क्योंकि उन्हें पहले से दुकान के अंदर और बाहर लगे कैमरों की पूरी जानकारी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और चोरों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

लगातार दो बार चोरी की घटना होने से दुकान संचालक और आसपास के दुकानदार काफी डरे हुए हैं। व्यापारियों का कहना है कि अगर जल्द चोरों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो इलाके में चोरी की घटनाएं और बढ़ सकती हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से रात में गश्त बढ़ाने और बाजार क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

1 किलो अवैध अफीम के साथ एक युवक गिरफ्तार

खूंटीः एनडीपीएस थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए करीब 1 किलो अवैध अफीम (लासा) के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। जब्त अफीम की अनुमानित कीमत लगभग 5 लाख रुपये बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक खूंटी ऋषभ गर्ग को सूचना मिली थी कि सदर अस्पताल से इट्टे जाने वाली मुख्य सड़क के पास एक युवक पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार होकर अवैध अफीम बिक्री के उद्देश्य से खड़ा है। सूचना के सत्यापन एवं कार्रवाई के लिए परिक्ष्मान पुलिस उपाधीक्षक रामप्रवेश कुमार के नेतृत्व में एनडीपीएस थाना एवं पुलिस बल की टीम गठित की गई। छापेमारी टीम जब मौके पर पहुंची तो पुलिस को देखते ही बाइक सवार युवक भागने का प्रयास करने लगा। हालांकि मोटरसाइकिल स्टार्ट नहीं होने के कारण वह बाइक छोड़कर भागने लगा, जिसे पुलिस बल ने खदेड़कर पकड़ लिया। तलाशी के दौरान बाइक की सीट के अंदर काले पॉलिथीन में करीब 1 किलो अवैध अफीम बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 25 वर्षीय मानी मुडा पिता स्वर्गीय जितराय मुंडा, निवासी बिचागुटू, थाना मारगहादा, जिला खूंटी के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस थाना कांड संख्या 06/2026, दिनांक 02 मई 2026 के तहत धारा 17(बी)/22(बी)/25 एनडीपीएस एक्ट 1985 के अंतर्गत मामला दर्ज किया है। साथ ही अन्य संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

सनिका पूर्ति और उसकी पत्नी वर्षो से पंजाब में कर रहे हैं बंधुआ मजदूरी

पीड़ितों ने मदद की लगाई गुहार, लक्ष्मी बाखला आई आगे

संवाददाता

खूंटी : जिले से मानवता को झकझोर देने वाला एक मामला सामने आया है, जहां अड़की थाना क्षेत्र के बीरबांकी ईचाकुटी गांव निवासी सनिका पूर्ति और उनकी पत्नी सहित कई लोग वर्षों से पंजाब में कथित रूप से बंधुआ मजदूरी का शिकार बने हुए हैं। पीड़ित परिवार ने रिपब्लिक झारखंड को फोन कर अपनी दर्दनाक आपबीती सुनाई और मदद की गुहार लगाई। पीड़ित सनिका पूर्ति ने बताया कि उन्हें मजदूरी के नाम पर पंजाब के जालंधर ले जाया गया, जहां उनसे प्रतिदिन लगभग 16 घंटे तक काम कराया जाता था। खेती-बाड़ी से लेकर 80-85 गाय-बैलों की सेवा तक का पूरा काम उनसे कराया जाता रहा, लेकिन बदले में महज 5 हजार रुपये दिए जाते थे। वह भी कई बार पूरा भुगतान नहीं किया जाता था।

सनिका पूर्ति और उनकी पत्नी ने बताया कि बंधुआ मजदूरी के दौरान उन्होंने अपने दुधमुंहे बच्चे को खो दिया। इतना ही नहीं, उनकी सगी बहन की भी मौत हो गई, लेकिन इसके बावजूद मालिक का दिल नहीं पसीजा और उन्हें घर लौटने नहीं दिया गया। पीड़ित परिवार कई वर्षों से अपने गांव वापस नहीं आ सका है।

मामले की जानकारी मिलते ही

खूंटी की चर्चित समाजसेवी लक्ष्मी बाखला, जिन्हें लोग आयरन लेडी के नाम से जानते हैं, सक्रिय हुईं। लक्ष्मी बाखला इससे पहले भी ह्यूमन ट्रैफिकिंग, बाल मजदूरी और बंधुआ मजदूरी जैसे कई गंभीर मामलों में पीड़ितों की मदद कर चुकी हैं। उन्होंने इस पूरे मामले को गंभीरता से उठाते हुए प्रशासन और पुलिस तक पहुंचाया।

इसके बाद एएचटीयू (एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट) खूंटी में लिखित शिकायत दी गई। शिकायत मिलने के बाद खूंटी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अड़की थाना क्षेत्र के बीरबांकी ईचाकुटी गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार और ग्रामीणों से पूरे मामले की जानकारी ली तथा जांच शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए खूंटी पुलिस अब पीड़ित परिवार समेत अन्य लोगों को पंजाब के जालंधर से छुड़ाकर वापस लाने की तैयारी में जुट गई है। इस पूरे मामले की आधिकारिक पुष्टि खूंटी पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने की। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई कर रही है और जल्द ही टीम पंजाब रवाना होगी। इस घटना ने एक बार फिर मजदूरों के शोषण, मानव तस्करी और बंधुआ मजदूरी जैसे गंभीर मुद्दों को उजागर कर दिया है। अब सभी की नजर खूंटी पुलिस की कार्रवाई और पीड़ित परिवार की सुरक्षित वापसी पर टिकी हुई है।

न्यूज IN ब्रीफ

दो दिन के बाद बिजली हुई बहाल

मुरीः आंधी - तूफान के कारण शुक्रवार को बिजली का पोल क्षतिग्रस्त होकर मुरी के गायत्री कॉलोनी में गिर गया था। इसकी सूचना विभाग को दी गई थी लेकिन किसी ने संज्ञान में नहीं लिया। रविवार को देर शाम पीलर लगाकर बिजली बहाल किया गया। इन दो दिनों के दौरान स्कूली बच्चों को होमवर्क बनाने में, लोगों को मोबाइल चार्ज करने में काफी दिक्कतो का सामना करना पड़ा। लोग दिनभर पंखा न चला पाने के कारण गर्मी से बेहाल रहे। पानी के लिए बोरिंग का मोटर तक नहीं चला पाए जिसके कारण मोहल्ले वासियों को बड़ी कठिनाई हुई। मोहल्ले के लोग इसको विभाग की घोर लापरवाही बताया।

उपायुक्त व एसपी ने किया चतरा मंडल कारा का औचक निरीक्षण

चतराः जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त रवि आनंद एवं पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी ने आज चतरा मंडल कारा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कारा परिसर की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, प्रवेश एवं निकास नियंत्रण, प्रहरी तैनाती, साफ-सफाई, बंदियों के रख-रखाव, आवासीय व्यवस्था, भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधा एवं अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया गया।निरीक्षण क्रम में कारा में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की जांच की गई तथा सभी महत्वपूर्ण स्थलों पर सतत निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही सुरक्षा के दृष्टिकोण से कारा परिसर में नियमित पेट्रोलिंग, आगंतुकों की सघन जांच एवं रजिस्टर संधारण को और सुदृढ़ करने पर बल दिया गया।

बंदियों के रख-रखाव के संदर्भ में वार्डों की साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश एवं वेंटिलेशन, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता तथा गुणवत्तापूर्ण भोजन की व्यवस्था की समीक्षा की गई। स्वास्थ्य सेवाओं के तहत नियमित चिकित्सकीय जांच, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता एवं आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों का भी जायजा लिया गया।निरीक्षण के दौरान समस्त व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं तथा किसी प्रकार की अनियमितता या आपत्तिजनक स्थिति नहीं पाई गई। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने कारा प्रशासन को वर्तमान व्यवस्थाओं को बनाए रखने के साथ-साथ निरंतर निगरानी एवं आवश्यक सुधारात्मक पहल करने का निर्देश दिया, ताकि कारा संचालन सुरक्षित, व्यवस्थित एवं मानवीय दृष्टिकोण से प्रभावी बना रहे।इस मौके पर अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी, चतरा जहूर आलम, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संदीप सुमन सहित कारा के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

कार और बाइक की भीषण टक्कर, दो युवकों की मौके पर मौत

चतराः जिले में रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला इटखोरी थाना क्षेत्र से सामने आया है, जहाँ एक कार और बाइक के बीच हुई आमने-सामने की भिड़ंत में दो सगे संबंधियों की दर्दनाक मौत हो गई है। हादसा चौपारण-इटखोरी मुख्य मार्ग पर परसौनी चौक के समीप हुआ। मृतक ऋषि पासवान और अभिषेक पासवान चौपारण के कर्मा गांव के रहने वाले थे, जो अपने नानी घर इटखोरी जा रहे थे। घर लौटने के दौरान विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। कार में सवार दो अन्य युवक, जो शादी समारोह में वीडियोग्राफी के लिए जा रहे थे, वे भी गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर किया गया है। इटखोरी पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर लिया है। इस घटना के बाद मृतक के परिजनों में चीख-पुकार मची हुई है।

534 किलोग्राम अफीम डोडा चूरा बरामद,एक तस्कर गिरफ्तार

चतरा : चतरा के नवपदस्थापित पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी एक्शन के मूड में दिख रहे हैं। खासकर मादक पदार्थ अफीम और अपराध के खिलाफ इनका अभियान जारी है। एसपी श्री नैथानी के नेतृत्व में 24 घंटे के अंदर जिले के प्रतापपुर और लावालौंग थाना क्षेत्रों में बड़ी कार्रवाइयों में 534 किलोग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया। रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में चतरा के एसडीपीओ संदीप सुमन ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि प्रतापपुर थाना क्षेत्र के बलवादोहर गांव के समीप तस्कर कुंदा की ओर से अफीम की खेप लेकर आने वाले हैं। सूचना पर उनके नेतृत्व में त्वरित कार्रवाई करते हुए वाहन चेकिंग लगाई गई। वाहन चेकिंग के दौरान एक टेम्पो आता दिखाई दिया। जांच में पता चला कि टेम्पो में लगभग 10 बोरा धान की बोरियों में 282 किलोग्राम डोडा चूरा लदा था। मौके से पुलिस ने चालक तस्कर अजय कुमार साव को गिरफ्तार कर लिया। एसडीपीओ ने बताया कि बरामद डोडा चूरा की अनुमानित राशी अंतरराष्ट्रीय बाजार में 42 लाख रु आंकी गई है। वहीं पुलिस की दूसरी बड़ी कार्रवाई में लावालौंग थाना क्षेत्र में हुई छापामारी में एक बोलरों वाहन से 252 ग्राम अफीम डोडा चूरा बरामद किया गया। इस दौरान पुलिस को देखते हुए वाहन चालक वाहन को जंगल में छोड़कर फरार हो गया। एसपी के गोपनीय कार्यालय से जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि सिमरिया के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शुभम भाऊ साहेब के नेतृत्व में उक्त कार्रवाई की गई।

बाइक ने वृद्धा को मारी टक्कर, महिला के पैर की हड्डी टूटी

चतराः जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के गेरुआ गांव में रविवार एक सड़क हादसे में लगभग 65 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। सड़क पार करते समय एक तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला कई फीट दूर जा गिरीं।हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े। उन्होंने गंभीर रूप से घायल महिला को उठाया और तत्काल हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जिसके बाद चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर एक पैर की हड्डी टूट जाने के वजह से चिकित्सकों ने गया मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया है। घायल महिला की पहचान गेरुआ निवासी सूबेदार सिंह के 65 वर्षीय पत्नी कंचन देवी के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बाइक काफी तेज रफ्तार में थी और चालक ने हेलमेट भी नहीं पहना था। स्थानीय लोगों का कहना है कि हंटरगंज क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों के कारण पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। कंचन देवी का इलाज मेडिकल अस्पताल में जारी है। उनके परिवार के सदस्य इस घटना से सदमे में हैं। हालांकि बाइक सवार पिंटू कुमार को भी हल्की चोट पहुंची है।

जबलपुर हादसा के बाद रांची में भी बोटिंग पर सख्ती

बिना लाइफ जैकेट नो एंट्री नियम तोड़ने पर होगी कार्रवाई

✔ वाटर ट्रांसपोर्ट एक्शन ग्रुप बनेगा

संवाददाता

रांची: जिले के सभी डैम एवं जलाशयों में नौका विहार (बोटिंग) को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए कई ठोस निर्णय लिए गए।

प्रशासन ने साफ कर दिया है कि पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ सुरक्षा मानकों के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान जिला स्तर पर वाटर ट्रांसपोर्ट एक्शन ग्रुप के गठन का निर्देश दिया गया। इस ग्रुप का उद्देश्य किसी भी आपातकालीन स्थिति या दुर्घटना की स्थिति में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया देना होगा, ताकि जान-माल की हानि को रोका जा सके।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी बोटिंग स्थलों पर सुरक्षा प्रबंधन को प्राथमिकता के आधार पर लागू किया जाए। प्रशासन ने सभी पर्यटकों और यात्रियों के लिए लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य कर दिया है। बिना लाइफ जैकेट किसी भी व्यक्ति को बोटिंग कराने पर संबंधित बोट संचालक या ऑपरेटर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही, मौसम की स्थिति पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। खराब या प्रतिकूल मौसम की स्थिति में बोटिंग गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सभी नौकाओं के पास वैध फिटनेस प्रमाण-पत्र होना अनिवार्य होगा। बिना फिटनेस सर्टिफिकेट वाली नौकाओं को संचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा, सभी बोटिंग स्थलों पर हेल्पलाइन नंबर के साथ सूचना पट्ट (इन्फॉर्मेशन बोर्ड) लगाए जाएंगे, जिससे किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता प्राप्त की जा सके। बोट ऑपरेटरों के लिए नशापान पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। यदि कोई संचालक इस नियम का उल्लंघन करता पाया गया, तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, सभी संचालकों को निर्देश दिया गया है कि वे निर्धारित सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करें और यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखें।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने विशेष रूप से बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों की लाइफ जैकेट स्वयं ठीक से पहनाएं और उसकी बेल्ट को अच्छी तरह से कसकर बांधें। यह भी सुनिश्चित करें कि बच्चे पूरे समय लाइफ जैकेट पहने रहें। उन्होंने कहा कि बोटिंग के दौरान निर्धारित गति सीमा का पालन करना अनिवार्य होगा और किसी भी प्रकार की स्टंटबाजी, अनावश्यक तेज रफ्तार या जोखिम भरे तरीके से बोट चलाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसमें जुर्माना, लाइसेंस निलंबन और कानूनी कार्रवाई तक शामिल हो सकती है।

बैठक में पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) गौरव गोस्वामी, अनुमंडल पदाधिकारी कुमार रजत, जिला परिवहन पदाधिकारी अखिलेश कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज, जिला खेल पदाधिकारी शिवेंद्र सिंह समेत कई अधिकारी और बोटिंग संचालक उपस्थित रहे। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे इन नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराएं और नियमित निगरानी करते रहें।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पर्यटकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और रांची के डैम एवं जलाशयों को सुरक्षित पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए हर जरूरी कदम उठाए जाएंगे। साथ ही, आम लोगों से भी अपील की गई है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें और सुरक्षित बोटिंग का आनंद लें।

आदिवासी और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल, हिंसा की घटनाओं पर सख्त कानून की मांग

संवाददाता

रांची :जेएमएम नेता जुनैद अनवर ने कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों में हाल के दिनों में हुई दो घटनाओं ने कानून-व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है। इन घटनाओं में एक ओर आदिवासी समुदाय पर कथित अत्याचार का मामला सामने आया है, तो दूसरी ओर अल्पसंख्यक समुदाय, खासकर मुसलमानों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हुए हैं। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले के निगाही कोयला खदान (एनसीएल) क्षेत्र में एक आदिवासी व्यक्ति अन्नेलाल बैगा के साथ कथित रूप से सुरक्षाकर्मियों द्वारा बर्बर मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। बताया जा रहा है कि घोरौली कलां निवासी अन्नेलाल बैगा को चोरी के संदेह में रोका गया और बिना किसी ठोस प्रमाण के उनके साथ मारपीट की गई। वीडियो में उन्हें हॉकी स्टिक से पीटते और अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते हुए देखा जा सकता है। यह घटना आदिवासियों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों को लेकर एक बार फिर बहस छेड़ रही है। इससे पहले भी राज्य में इसी तरह की अमानवीय घटनाएं सामने आ चुकी हैं। वहीं उत्तर प्रदेश के बरेली में एक अन्य घटना ने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर चिंता बढ़ा दी है। जानकारी के अनुसार, बिहार के किशनगंज से एक धार्मिक कार्यक्रम से लौट रहे मौलाना तौसीफ रजा मजहरी की ट्रेन में कथित रूप से भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, उन्हें उनकी पहचान–दाढ़ी और टोपी–के आधार पर निशाना बनाया गया। घटना के दौरान उनकी पत्नी वीडियो कॉल पर मौजूद थीं, जिससे यह मामला और भी संवेदनशील हो गया है।इन घटनाओं को लेकर विभिन्न सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने गहरी चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि देश में मॉब लिंचिंग और कमजोर वर्गों पर हमलों की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए सख्त और प्रभावी कानून बनाने की जरूरत है। जेएमएम नेता जुनैद अनवर द्वारा मांग की गई है कि दोनों मामलों की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही संसद से अपील की गई है कि मॉब लिंचिंग जैसे अपराधों को रोकने के लिए सख्त कानूनी प्रावधान लागू किए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। विशेषज्ञों का मानना है कि समाज में शांति और विश्वास बनाए रखने के लिए सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार और प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। ऐसी घटनाओं पर त्वरित और कठोर कार्रवाई ही लोगों के बीच भरोसा कायम कर सकती है।

बीसीसीएल आउटसोर्सिंग माइंस में हादसा सीनियर सुपरवाइजर की दर्दनाक मौत

संवाददाता

धनबाद: पुटकी थाना क्षेत्र स्थित गोपालिचक में संचालित बीसीसीएल की सिंह नेचुरल आउटसोर्सिंग कंपनी की माइंस में एक दर्दनाक हादसे में सीनियर सुपरवाइजर की मौत हो गई। मृतक की पहचान रामस्वरूप चौहान के रूप में हुई है, जो गोधर के रहने वाले थे। परिजनों के अनुसार, रामस्वरूप चौहान रोज की तरह सुबह ड्यूटी के लिए घर से निकले थे। कुछ देर बाद कंपनी की ओर से सूचना दी गई कि उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लेकिन जब परिजन अस्पताल पहुंचे, तो वहां उनका शव मिला।

बताया जा रहा है कि उनकी कमर के ऊपर से भारी वाहन गुजर जाने के कारण मौके पर ही उनकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि आउटसोर्सिंग कंपनी द्वारा सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हुए खनन कार्य कराया जा रहा है। खनन के दौरान उठने वाले धूल के गुबार से दृश्यता बेहद कम हो जाती है, जिससे हादसों की आशंका बनी रहती है।

बताया जाता है कि घटना के वक्त रामस्वरूप चौहान माइंस के अंदर कर्मियों को ड्यूटी पर लगा रहे थे, तभी एक वोल्वो भारी वाहन ने उन्हें कुचल दिया। कंपनी इंचार्ज श्री राम पांडेय ने कहा कि घटना की जांच की जाएगी। उन्होंने पुष्टि की कि सीनियर सुपरवाइजर रामस्वरूप चौहान की इस हादसे में मौत हुई है। पुटकी थाना प्रभारी वकार हुसैन ने बताया कि आउटसोर्सिंग कंपनी में कार्यरत एक कर्मी की मौत हुई है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। वहीं, लोगों ने कहा कि इस तरह के हादसे आए दिन आउटसोर्सिंग कंपनियों में देखने को मिलते हैं। आश्रित को मुआवजा के सांत्वना दिया जाता है। लेकिन हादसे के दोषियों के ऊपर कोई कार्रवाई नहीं होती है।

हिरासत में मौत पर परिजनों को मिलेगी 10 लाख की सहायता राज्य सरकार का बड़ा फैसला

रांची: झारखंड सरकार के गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने न्यायिक हिरासत में हुई दो बंदियों की मौत के मामले में उनके परिजनों को राहत देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। यह फैसला मानवाधिकार आयोग की सिफारिश के आधार पर लिया गया है। सरकार की ओर से कुल 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है, जिसे संबंधित जिलों में बराबर–बराबर वितरित किया जाएगा। आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, चतरा जिले के मेराल गांव निवासी विचाराधीन बंदी राजू तुरी की मौत के बाद उनकी पत्नी को यह सहायता राशि दी जाएगी, जो वर्तमान में राजस्थान के कोटा में रह रही हैं। वहीं खूंटी जिले के जिलिंगकेला गांव निवासी बंदी मार्शल मुंडू के आश्रितों को भी सरकार की ओर से आर्थिक मदद प्रदान की जाएगी। यह पूरी राशि वित्तीय वर्ष 2025–26 के सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण मद से जारी की जाएगी। चतरा और खूंटी के उपायुक्त या उनके अधिकृत अधिकारी जिला कोषागार के माध्यम से भुगतान सुनिश्चित करेंगे।

ऑटो–ट्रेलर की भीषण टक्कर मौके पर महिला की मौत, 6 घायल

संवाददाता

धनबाद: जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के जियलगोरा के पास एक भीषण सड़क हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक ही परिवार के छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों का अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। धनबाद के जोड़ापोखर थाना क्षेत्र अंतर्गत जियलगोरा के समीप एक ऑटो और ट्रेलर के बीच हुई जोरदार टक्कर ने एक परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। इस हादसे में ऑटो में सवार राजमणि देवी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक समेत छह लोग घायल हो गए हैं। घायल सभी लोग बोकारो जिले के चंदनकियारी थाना क्षेत्र के अमलाबाद के रहने वाले हैं।

बताया जा रहा है कि परिवार के सभी सदस्य सासाराम-डेहरी में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए घर से निकले थे और धनबाद स्टेशन से ट्रेन पकड़ने जा रहे थे। घटना में घायल परिवार के मुखिया परमेश्वर ठाकुर, जिन्हें सिर और छाती में गंभीर चोटें आई हैं, फिलहाल एसएनएमएमसीएच में इलाजरत हैं।

उन्होंने बताया कि जियलगोरा के पास पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो में बैठे लोग उछलकर सड़क पर जा गिरे। ऑटो में परमेश्वर ठाकुर की पत्नी राजमणि देवी, भाई का बेटा कृष्ण कुमार ठाकुर, भाई की पत्नी मौसम कुमारी और नतनी सोनम सुमन सवार थे।

हादसे में राजमणि देवी की जान चली गई। जबकि बाकी सभी लोग गंभीर रूप से घायल हैं। दो घायलों का इलाज एसएनएमएमसीएच में चल रहा है, वहीं, चार अन्य निजी अस्पतालों में भर्ती हैं। इधर, जोड़ापोखर थाना के सब-इंस्पेक्टर शिव कुमार ने बताया कि दुर्घटना में एक महिला की मौत हुई है और छह लोग घायल हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बदलेगा मौसम, रांची, बोकारो सहित 12 जिले में ऑरेंज अलर्ट

✔ आज आंधी–बारिश और वज्रपात की संभावना

संवाददाता

रांची: साइक्लोनिक सकुर्लेशन के कारण मई महीने की शुरूआत से ही राज्य के सभी जिलों में मौसम सुहाना हो गया है। मौसम विभाग ने नौ मई तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में तापमान में कमी रहने की संभावना जताई है। वहीं चार और पांच मई को राज्य के 17 जिलों में आकाश में बादल छाये रहने और कहीं-कहीं 50 से 60 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी चलने की चेतावनी दी गयी है। इसके साथ ही मेघ गर्जन और वज्रपात के साथ-साथ बारिश की संभावना है।

ऑरेंज अलर्ट जारी : 4 मई को रांची, रामगढ़, बोकारो, धनबाद, गिरिडीह, जामताड़ा, दुमका, देवघर, गोड्डा, साहिबगंज और पाकुड़ में तेज हवा चलने के साथ बादल गरजने और हल्की बारिश होने की संभावना है। वहीं पांच मई को रांची सहित खूंटी, रामगढ़, हजारीबाग, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला, बोकारो, धनबाद, गिरिडीह, कोडरमा, देवघर, जामताड़ा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज जिले में 50 से 60 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने चार और पांच मई को ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। कहां कितना रहा तापमान : रांची जिले का अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जबकि मेदिनीनगर का 38.5 डिग्री सेल्सियस रहा। जमशेदपुर और गुमला में 34.9 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। खूंटी में 32.2, लोहरदगा में 35.2 डिग्री सेल्सियस और लातेहार में 31.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। हजारीबाग का तापमान 33.0 डिग्री सेल्सियस रहा। कोडरमा में 35.0, गढ़वा में 38.0, रामगढ़ में 34.0 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। चतरा में 36.0 डिग्री और बोकारो में 31.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। चाईबासा में 35.4 और पाकुड़ में 31.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर खुलेगा उड़ान यात्री कैफे

रांची: बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर हवाई यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जल्द ही उड़ान यात्री कैफे की शुरूआत की जाएगी। इस पहल के तहत यात्रियों को कम दरों पर चाय, नाश्ता और पानी की बोतल जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे उनकी यात्रा और सुविधाजनक और किफायती हो सके। एयरपोर्ट निदेशक विनोद कुमार ने बताया कि यह योजना पहले ही देश के 17 प्रमुख एयरपोर्ट पर सफलतापूर्वक लागू की जा चुकी है और अब इसे रांची में भी शुरू करने की योजना है। इसके लिए जगह चिह्नित किया गया है। एयरपोर्ट ऑथिरिटी के निर्देश के बाद रांची में भी इसे शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कैफे का उद्देश्य हवाई यात्रियों को महंगे खानपान से राहत दिलाना और उन्हें सही कीमत पर गुणवत्तापूर्ण सेवाएं देना है। इस पहल से खासकर आम यात्रियों और मध्यम वर्ग को काफी लाभ मिलने की उम्मीद है।
मालूम हो कि पिछले दिनों जम्मू, चंडीगढ़, अमृतसर, वाराणसी, पटना, कोलकाता, अगरतला, भुवनेश्वर, विजयवाड़ा, चेन्नई, कोयंबटूर, पुणे, सूरत, राजकोट, अमृतसर में उड़ान यात्री कैफे की शुरुआत केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने शुरू किया था। जिसके तहत 10 रुपये में चाय, 20 रुपये में समोसा और 10 रुपये में पानी की बोतल मिल रही है।

सुषमा बड़ाइक पर हुए जानलेवा हमला मामले में हाईकोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची: रांची में वर्ष 2005 में तत्कालीन आईजी पीएस नटराजन पर यौन शोषण का आरोप लगाने वाली सुषमा बड़ाइक पर हुए जानलेवा हमले के मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है।

मुख्य न्यायाधीश एसएम सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए यह निर्णय सुरक्षित रखा। बता दें कि 13 दिसंबर 2022 को सुषमा बड़ाइक पर रांची के सहजानंद चौक के पास उस समय हमला हुआ था, जब वह हाईकोर्ट में गवाही देने जा रही थीं। हाईकोर्ट ने पहले भी जताई थी कड़ी नाराजगीः इस मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए 2022 में कड़ी आपत्ति दर्ज की थी। अदालत ने हमलावरों की जल्द गिरफ्तारी को लेकर राज्य सरकार को अल्टीमेटम भी दिया था। बाद में हमले में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था।

सुनवाई के दौरान अदालत ने पीड़ितों की सुरक्षा, गवाह संरक्षण, परिजनों की देखभाल और अन्य जरूरी बिंदुओं पर राज्य सरकार को दिशा-निर्देश जारी करने की बात कही है। सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

चोरया में डालसा का जागरूकता कार्यक्रम

चान्हो: चोरया पंचायत भवन में रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) ने जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में डिप्टी एलएडीसी कविता कुमारी खत्री ने लोगों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार रांची से मिलनेवाले कानूनी सहायता व सुविधा तथा नालसा व झालसा से चलाये जा रहे विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। बताया कि प्रत्येक प्रखंड में डालसा के पीएलवी रहते हैं। जिससे ग्रामीण कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते है। उन्होंने ग्रामीणों को डायन-बिसाही के प्रति भी जागरूक किया। कहा कि यह सिर्फ एक अंधविश्वास है। इस पर विश्वास नहीं करना चाहिए। पीएलवी सुमती कुमारी व नीलश्याम कुमार ने न्यायालय में चल रहे विवादों को मध्यस्थता के माध्यम से निबटारा करने पर बल दिया। ग्रामीणों को राष्ट्रीय लोक अदालत, विशेष मध्यस्थता अभियान एवं लोक अदालत के संबंध में बताया गया। कहा कि लोक अदालत में वाद का निस्तारण सरल और त्वरित तरीके से होता है। जिससे धन और समय दोनों की बचत होती है। मौके पर मुखिया रेखा सांगा, पीएलवी उषा कुमारी, संजीत उरांव, हरिराम करमाली, अलमा एक्का, राजा वर्मा, सिकन्दर मुंडा, सोनू सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

केजरीवाल का कोर्ट बहिष्कार और गांधी का तरीका

दिल्ली उच्च न्यायालय की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के न्यायालय से खुद को न्याय मिलने की उम्मीद नहीं होने के तर्क पर आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उनके कोर्ट का बहिष्कार करने की घोषणा कर डाली। उन्हीं के रास्ते पर केजरीवाल मंत्रिपरिषद के सदस्य रहे मनीष सिसौदिया भी चल पड़े। दोनों अपनी सरकार के दौरान वर्ष 2021-22 के दौरान आबकारी नीति में हुई कथित अनियमितता मामले के आरोपित हैं। इस मामले को शराब घोटाला के रूप में भी पहचाना जाता है। इसके पहले दोनों नेताओं ने अपने खिलाफ जारी मुकदमा जस्टिस स्वर्णकांता की जगह किसी अन्य जज को देने की अपील की थी। यह अपील इस आधार पर खारिज कर दी गई कि इससे अन्य मामलों के आरोपितों में भी न्यायालयों के प्रति अविश्वास बढ़ेगा और कोर्ट बदलने का यह उदाहरण बन जायेगा। वैसे कोर्ट बदलने के मामले पहले भी हुए हैं। हालांकि ऐसा स्वयं न्यायाधीशों के यह अनुभव करने पर हुआ कि वे सम्बंधित मामले में किसी पक्ष से कहीं न कहीं जुड़े हैं अथवा पहले जुड़े रहे हैं। इस बार आरोपितों की ओर से ऐसी अपील के बाद विवाद बढ़ा है और कोर्ट के नहीं मानने पर बहिष्कार की बात कही गई है। इस मामले में चर्चा का सबसे बड़ा बिंदु अरविंद केजरीवाल का वह बयान है, जिसमें ऐसा निर्णय करने के पीछे वे प्रेरक के तौर पर महात्मा गांधी को रखते हैं। केजरीवाल ने कहा ह्लजस्टिस स्वर्णकान्ता शर्मा जी से न्याय मिलने की मेरी उम्मीद टूट चुकी है। अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनते हुए, गांधी जी के सिद्धांतो को मानते हुए और सत्याग्रह की भावना के साथ, मैंने फैसला किया है कि मैं इस केस में उनके सामने पेश नहीं हूंगा और कोई दलील भी नहीं रखूंगा।ह्व याद करना होगा कि 2021-22 की दिल्ली आबकारी नीति में कथित अनियमितता और धन के लेनदेन के मामले में केजरीवाल और मनीष सिसौदिया भी आरोपित हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यु कोर्ट ने प्रमाण के अभाव में मुकदमे को खारिज कर दिया था। उसके बाद यह मामला दिल्ली हाई कोर्ट पहुंचा। जजेज के मुकदमे सुनने सम्बंधी रोस्टर के मुताबिक मामला जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की कोर्ट में है। केजरीवाल और मनीष सिसौदिया के आरोप हैं कि जज के बेटे-बेटी सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के साथ प्रैक्टिस करते हैं और सरकार की ओर से उनके पास कई मुकदमे आते हैं। ऐसे में जज निष्पक्ष नहीं हो सकतीं। जज ने इस मुकदमे से अलग होने का फैसला कर लिया होता, तो यह अशोभनीय स्थिति नहीं आती। ताजा विवाद से देश की न्यायिक प्रक्रिया, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और रूल ऑफ लॉ के सवाल खड़े होते हैं। यही कारण है कि विधि विशेषज्ञों के मध्य इस पर बहस जारी है। कई बड़े वकील केजरीवाल के तरीके को आत्म प्रचार का एक और हथियार मानते हैं। वहीं राजनीतिक रूप से केजरीवाल के विरोधी रहे प्रशांत भूषण कहते हैं कि केजरीवाल ने सही और उचित फैसला लिया है। अंत में केजरीवाल के कोर्ट बहिष्कार के लिए गांधी के सत्याग्रह और असहयोग को हथियार बनाने की बात। इतिहास गवाह है कि 1922 में गांधी जी पर उनके लेखों के आधार पर भारतीय दंड संहिता की धारा 124 (ए) के तहत राजद्रोह का आरोप लगा था। गांधी और ह्ययंग इंडियाह्व अखबार जिसमें लेख लिखने के कारण आरोप लगे थे, उसके प्रकाशक मिस्टर बैंकर ने मजिस्ट्रेट को बताया कि उन्हें कानूनी बचाव नहीं करना है। ह्यगांधी पर महान मुकदमाह्व नाम से प्रसिद्ध रेक्स इम्पेरेटर बनाम एम.के. गांधी मामले में गांधी जी को छह साल और बैंकर को एक साल की सजा हुई थी। पीठासीन न्यायाधीश रॉबर्ट ब्रूमफील्ड ने माना कि बड़ी संख्या में लोग गांधी को महान देशभक्त नेता मानते हैं। यहां तक ??कि गांधी के विरोधी भी उन्हें उच्च आदर्शों वाला नेक तथा संत के रूप में देखते थे। लेकिन कानून का काम आरोपों पर विचार करना था। सजा सुनने के बाद गांधी जी हंसते हुए कोर्ट से बाहर निकले, पर सरकारी वकील स्ट्रैंगमैन ने लिखा, ह्लउस दिन कई लोग रोएह्व और मैं स्वयं ह्लमाहौल से पूरी तरह अप्रभावित नहीं था।ह्व

स्पष्ट है कि देश की आजादी के लिए गांधी जी ने अपने कृत्य को सही माना था। वहां आरोप स्पष्ट थे, पर आरोपित का मकसद महान। यहां आरोप निचली कोर्ट से खारिज है, पर हाई कोर्ट में विचाराधीन। पर एक सच्चाई यह भी कि गांधी जी कोर्ट में पेश हुए थे।

शोर का न ओर-छोर

यूं तो हाल के वर्षों में आम भारतीय की अभिव्यक्ति में तल्खी व शोर का ग्राफ तेज हुआ है। अभिव्यक्ति का मुखर होना अच्छा है लेकिन उसका तल्ख होना, किसी की भी सेहत के लिए अच्छा नहीं है। वैसे हमारे परिवेश में लगातार बढ़ता शोर झेलना हमारी नियति हो चला है। सड़कों पर वाहनों के शोर, नये दौर के कर्कश संगीत से लेकर राजनीतिक विमर्श में होने वाले शोरगुल वाले संवाद से लेकर तमाम ऐसा कुछ घट रहा है, जो हमारी परेशानी का सबब बन रहा है। यूं तो कोई प्रमाणिक राष्ट्रव्यापी वैज्ञानिक शोध व्यापक रूप में हमारे सामने तो नहीं आए हैं जो ठीक-ठीक बताएं कि ध्वनि प्रदूषण हमारी सेहत पर कितना घातक असर डाल रहा है। लेकिन गाहे-बगाहे सामने आए आंकड़े इस बात की पुष्टि जरूर करते हैं कि लगातार बढ़ता शोर हमारी सेहत बिगाड़ रहा है। लेकिन इसके बावजूद इसे रोकने के लिए उचित निगरानी, समयबद्ध कार्रवाई और दंड के प्रावधान लागू होते नजर नहीं आते हैं। लेकिन विभिन्न अध्ययनों के निष्कर्ष बता रहे हैं देश के महानगरों से लेकर कस्बों तक हमारे परिवेश का शोर तय मानकों से कहीं अधिक है। जाहिरा तौर ये शोर हमारी सेहत को गहरे तक प्रभावित कर रहा है। जिससे न केवल हमारी श्रवण शक्ति कमजोर हो रही है बल्कि नींद में कमी, मानसिक तनाव, उच्च रक्तचाप के अलावा हृदय रोग तक का खतरा बढ़ रहा है। लेकिन इस दिशा में कागजों में तो लुभावनी योजनाएं तो बनायी जाती हैं लेकिन जमीनी हकीकत बदलती नजर नहीं आती। यह सुखद है कि पिछले दिनों देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस दिशा में नई पहल शुरू की गई है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया आरंभ की है। दावा किया जा रहा है कि प्रदूषण के स्रोतों की कायदे से निगरानी होगी। इसके अलावा समयबद्ध ढंग से कार्रवाई होगी। साथ ही जुमार्ना भी अनिवार्य रूप से वसूला जाएगा। ये तो आने वाला वक्त बताएगा कि अच्छी योजना कितनी जमीनी हकीकत बनती है।

लेकिन सवाल यह है कि जब देश में पहले से शोर नियंत्रण के कानून मौजूद हैं और हमारी अदालतें भी समय-समय पर हमारे नीति नियंताओं को आगाह करती ही रहती हैं, तो फिर सूरत क्यों नहीं बदलती। आखिर इन नियम-कानूनों के क्रियान्वयन में कहां खोट रह जाता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि ध्वनि प्रदूषण विनियमन और नियंत्रण नियम, 2000 के तहत ध्वनि विस्तारक यंत्रों, निर्माण कार्यों और उद्योगों में इस्तेमाल की जाने वाली मशीनों, वाहनों के हार्न आदि अन्य स्रोतों को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया था। ताकि लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा हो पाए। उल्लेखनीय है कि ये प्रावधान दिन व रात के लिये अलग-अलग हैं। जिसके अंतर्गत रात के दस बजे से लेकर सुबह छह बजे के मध्य लाउडस्पीकर लगाना मना है। यदि अपरिहार्य कारणों से कुछ अधिक समय के लिये इसका उपयोग किया भी जाना है तो संबंधित अधिकारी से अनुमति लेना अनिवार्य है।

तकनीक का जाल या उपभोक्ता की मजबूरी?

मोबाइल कंपनियाँ हर वर्ष नए-नए मॉडल बाजार में उतारती हैं, जिनमें बेहतर कैमरा, तेज प्रोसेसर और आकर्षक डिजाइन का वादा किया जाता है। इसके साथ ही पुराने मोबाइल फोन के लिए सॉफ़्टवेयर अपडेट भी जारी किए जाते हैं। सिद्धांत रूप में ये अपडेट सुरक्षा और प्रदर्शन सुधारने के लिए होते हैं, लेकिन व्यवहार में कई उपयोगकताओं को यह अनुभव होता है कि अपडेट के बाद उनका फोन धीमा हो जाता है।

- डॉ. सत्यवान सौरभ

दो-तीन वर्षों में नया मोबाइल खरीदना—यह केवल एक व्यक्ति का अनुभव नहीं, बल्कि आज के डिजिटल युग की एक व्यापक सच्चाई है। कभी तकनीक को जीवन को सरल, तेज और सुविधाजनक बनाने का माध्यम माना जाता था, लेकिन आज वही तकनीक कई बार उपभोक्ताओं के लिए आर्थिक और मानसिक दबाव का कारण बनती दिखाई देती है। सवाल यह नहीं है कि तकनीक गलत है, बल्कि यह है कि उसका उपयोग और व्यापारिक ढांचा किस दिशा में जा रहा है।

मोबाइल कंपनियाँ हर वर्ष नए-नए मॉडल बाजार में उतारती हैं, जिनमें बेहतर कैमरा, तेज प्रोसेसर और आकर्षक डिजाइन का वादा किया जाता है। इसके साथ ही पुराने मोबाइल फोन के लिए सॉफ़्टवेयर अपडेट भी जारी किए जाते हैं। सिद्धांत रूप में ये अपडेट सुरक्षा और प्रदर्शन सुधारने के लिए होते हैं, लेकिन व्यवहार में कई उपयोगकताओं को यह अनुभव होता है कि अपडेट के बाद उनका फोन धीमा हो जाता है, बैटरी जल्दी खत्म होती है और ऐप्स पहले की तरह सुचारू रूप से नहीं चलते। इस स्थिति ने ह्लस्र'ल्लल्लीि ङ्मरङ्ग'ीशूल्लीह्व यानी योजनाबद्ध अप्रचलन की बहस को जन्म दिया है—एक ऐसी रणनीति, जिसमें उत्पाद को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि वह कुछ समय बाद अप्रभावी हो जाए, ताकि उपभोक्ता नया उत्पाद खरीदने को मजबूर हो।

यह कहना पूरी तरह सही नहीं होगा कि हर बार कंपनियाँ जानबूझकर ऐसा करती हैं। तकनीकी रूप से, हर नया सॉफ़्टवेयर अधिक उन्नत होता है और उसे अधिक संसाधनों की आवश्यकता होती है। पुराने हार्डवेयर पर उसका प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन जब यही प्रक्रिया लगातार उपभोक्ता के अनुभव को खराब करती है, तो यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या कंपनियाँ अपने उत्पादों की दीर्घकालिक उपयोगिता को लेकर पर्याप्त ईमानदार हैं। उपभोक्ता के पास विकल्प सीमित होते जा रहे हैं—या तो वह धीमे होते फोन के साथ समझौता करे या फिर नया फोन खरीदे।

टेलीकॉम क्षेत्र में भी स्थिति कुछ अलग नहीं है। पहले जहाँ रिचार्ज प्लान 30 दिनों के होते थे, वहीं अब अधिकांश कंपनियाँ 28 दिनों का चक्र अपनाने लगी हैं। पहली नजर में यह अंतर छोटा लगता है, लेकिन साल भर में यह अंतर एक अतिरिक्त रिचार्ज में बदल जाता है। यानी उपभोक्ता को 12 के बजाय 13 बार भुगतान करना पड़ता है। यह एक सूक्ष्म लेकिन प्रभावी व्यावसायिक रणनीति है, जो कंपनियों के मुनाफे को बढ़ाती है, जबकि उपभोक्ता की जेब पर अतिरिक्त भार डालती है। यह व्यवस्था खासकर उन लोगों के लिए अधिक कठिन है, जिनकी आय सीमित है और जिनके लिए हर अतिरिक्त खर्च मायने रखता है। डिजिटल सेवाओं के बढ़ते विस्तार के साथ ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) का उपयोग भी अत्यधिक बढ़ गया है। बैंकिंग, ऑनलाइन खरीदारी, सोशल मीडिया, यहाँ तक कि कई सरकारी सेवाओं के लिए भी ओटीपी अनिवार्य हो गया है। सुरक्षा की दृष्टि से यह एक आवश्यक कदम है, क्योंकि साइबर अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है। लेकिन इसका दूसरा पक्ष यह है कि इससे उपयोगकर्ता अनुभव जटिल हो जाता है। हर छोटे काम के लिए ओटीपी की आवश्यकता प्रक्रिया को धीमा और कभी-कभी निराशाजनक बना देती है। इसके अलावा, जिन लोगों के पास स्थिर नेटवर्क या आधुनिक उपकरण नहीं हैं, उनके लिए यह एक अतिरिक्त बाधा बन जाती है।

सबसे गंभीर मुद्दा डेटा की अनिवार्यता का है। आज के समय में इंटरनेट केवल मनोरंजन का साधन नहीं रह गया है; यह शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवाओं और सरकारी योजनाओं तक पहुँच का मुख्य माध्यम बन चुका है। ऑनलाइन कक्षाएँ, डिजिटल भुगतान, ई-गवर्नेंस सेवाएँ—ये सभी इंटरनेट पर निर्भर हैं। ऐसे में डेटा खरीदना अब एक विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन गया है। लेकिन जब डेटा की कीमतें लगातार बढ़ती हैं या योजनाएँ जटिल होती जाती हैं, तो इसका सीधा प्रभाव समाज के कमजोर वर्गों पर पड़ता है। डिजिटल विभाजन (ग्रिं' ग्रिाी) और गहरा हो जाता है, जहाँ एक वर्ग तेजी से आगे बढ़ता है, जबकि दूसरा वर्ग पीछे छूट जाता है।यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है—क्या इस स्थिति पर नियंत्रण संभव है? इसका उत्तर सरल नहीं है, लेकिन असंभव भी नहीं। सबसे पहले, नियामक संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कंपनियाँ उपभोक्ताओं के साथ पारदर्शिता बनाए रखें और ऐसी नीतियाँ न अपनाएँ जो अप्रत्यक्ष रूप से शोषण का कारण बनें। उदाहरण के लिए, रिचार्ज योजनाओं की अवधि और संरचना को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाए जा सकते हैं, ताकि उपभोक्ता को भ्रमित न किया जाए।

दूसरा, उपभोक्ता संरक्षण कानूनों को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने की आवश्यकता है। यदि कोई कंपनी जानबूझकर अपने उत्पाद की कार्यक्षमता को कम करती है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही, उपभोक्ताओं को यह अधिकार मिलना चाहिए कि वे अपने उपकरणों की मरम्मत आसानी से करा सकें। ह्लफ्रँ३ ३ङ्ग फीस्त्रं१ह्व जैसे विचार इसी दिशा में एक सकारात्मक कदम हैं, जो उपभोक्ताओं को अपने उत्पादों पर अधिक नियंत्रण देते हैं और उन्हें बार-बार नया उत्पाद खरीदने की मजबूरी से बचाते हैं।

तीसरा, उपभोक्ता जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। कई बार हम स्वयं भी बिना सोचे-समझे नए उत्पादों की ओर आकर्षित हो जाते हैं। विज्ञापन, सोशल मीडिया और साथियों का प्रभाव हमें यह महसूस कराता है कि नया फोन या नई योजना आवश्यक है, जबकि वास्तविकता में ऐसा नहीं होता। यदि उपभोक्ता अपने निर्णय सोच-समझकर लें, अनावश्यक अपडेट्स से बचें और अपने उपकरणों का उपयोग अधिक समय तक करें, तो इस चक्र को कुछ हद तक तोड़ा जा सकता है।

इसके अलावा, सरकार और समाज को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि डिजिटल सेवाएँ सभी के लिए सुलभ और किफायती हों। सार्वजनिक वाई-फाई, सस्ती डेटा योजनाएँ और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। जब तक हर व्यक्ति को समान अवसर नहीं मिलेंगे, तब तक तकनीक का लाभ पूर्ण रूप से समाज तक नहीं पहुँच पाएगा।

अंततः, तकनीक स्वयं में न तो अच्छी है और न ही बुरी—यह इस बात पर निर्भर करती है कि उसका उपयोग कैसे किया जाता है। यदि तकनीक का उद्देश्य केवल मुनाफा कमाना बन जाए, तो वह उपभोक्ताओं के लिए बोझ बन सकती है। लेकिन यदि उसे मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए उपयोग किया जाए, तो वह एक शक्तिशाली साधन बन सकती है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक और व्यापार के बीच संतुलन स्थापित करें। कंपनियाँ अपनी जिम्मेदारी समझें, नियामक संस्थाएँ सक्रिय रहें और उपभोक्ता जागरूक बनें। तभी हम एक ऐसे डिजिटल भविष्य की कल्पना कर सकते हैं, जहाँ तकनीक वास्तव में मानव जीवन को सरल और समृद्ध बनाए, न कि उसे आर्थिक दबाव और निर्भरता के जाल में फँसा दे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आकाश की अनन्त उड़ान में विश्व का भारत पर भरोसा

अब भारत सरकार ने अंतरिक्ष से जुड़े विषयों को वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं तक सीमित न रखते हुए इसे विश्वविद्यालयों और कॉलेजों तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। पहले चरण में सात अंतरिक्ष प्रयोगशालाओं की स्थापना की योजना बनाई गई है, जहां छात्र उपग्रह प्रणाली, रॉकेटरी और मिशन डिजाइन का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे।

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

जब भी मानव सभ्यता ने आसमान की ओर देखा है, उसने सितारों के साथ अपने जीवन के लिए संभावनाओं के अनंत विस्तार को देखा है। आज उसी विस्तार में भारत अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रहा है। कभी सीमित संसाधनों के साथ शुरूआत करने वाला भारत वर्तमान में वह देश है जोकि वैश्विक अंतरिक्ष मानचित्र पर भरोसे का पर्याय बन चुका है। यह भरोसा सफल प्रक्षेपणों, वैज्ञानिक उपलब्धियों का परिणाम तो है ही, साथ ही एक व्यापक दृष्टि, नीति-सुधारों, निजी भागीदारी और युवा प्रतिभाओं के संगम से निर्मित हुआ है।

केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह का यह वक्तव्य इस दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को और स्पष्ट करता है। उन्होंने बताया है कि कैसे भारत में निजी क्षेत्र का अंतरिक्ष निवेश पिछले पाँच वर्षों में 600 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो चुका है। यह आंकड़ा वास्तव में कोई साधारण या सामान्य नहीं है, जिसमे देश की आर्थिक वृद्धि के तमाम अवसर समाहित हैं।

अब भारत सरकार ने अंतरिक्ष से जुड़े विषयों को वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं तक सीमित न रखते हुए इसे विश्वविद्यालयों और कॉलेजों तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। पहले चरण में सात अंतरिक्ष प्रयोगशालाओं की स्थापना की योजना बनाई गई है, जहां छात्र उपग्रह प्रणाली, रॉकेटरी और मिशन डिजाइन का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे। यह पहल भारत के अंतरिक्ष भविष्य की नींव को मजबूत करेगी। जब छात्र अपने कॉलेज परिसर में ही उपग्रह डिजाइन करेंगे या मिशन प्लानिंग सीखेंगे, तब वे भविष्य के मिशनों का निर्माण भी करेंगे।

इस संदर्भ में क्ष्ठ-रढअउी के अध्यक्ष डॉ. पवन गोयनका ने भारत के अंतरिक्ष सुधारों की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए बताया भी है कि कैसे निजी क्षेत्र अब मूल्य श्रृंखला के हर हिस्से में सक्रिय भूमिका निभा रहा है और भारत का निजी अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र पिछले कुछ वर्षों में आश्चर्यजनक गति से विकसित हुआ है। 2019 में जहां अंतरिक्ष स्टार्टअप्स की संख्या एकल अंक में थी, वहीं 2026 की शुरूआत तक यह संख्या 400 से अधिक हो चुकी है।

ये स्टार्टअप्स प्रक्षेपण यान, उपग्रह निर्माण, पेलोड डेवलपमेंट, ग्राउंड इंफ्रास्ट्रक्चर और डेटा सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सक्रिय हैं। इसके अलावा, इन-ऑर्बिट सेवाएं जैसे सैटेलाइट सर्विसिंग और स्पेस डेटा एनालिटिक्स जैसे उभरते क्षेत्रों में भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह बदलाव आज इस बात का प्रतीक भी है कि केंद्र की मोदी सरकार के प्रोत्साहन स्वरूप पहले अंतरिक्ष कार्यक्रम सिर्फ सरकारी संस्थानों तक सीमित रहते थे, जबकि आज के समय में यह उद्यमिता और नवाचार का नया क्षेत्र बन चुका है।

सरकार ने इस तेजी को बनाए रखने के लिए कई लक्षित पहलें शुरू की हैं, जिसमें कि 1,000 करोड़ रुपये का वेंचर कैपिटल फंड (एसआईडीबीआई के सहयोग से), 500 करोड़ रुपये का टेक्नोलॉजी एडॉप्शन फंड, सीड फंड योजना के तहत 1 करोड़ रुपये तक का अनुदान को प्रमुखता से बताया जा सकता है। इन योजनाओं का उद्देश्य वित्तीय सहायता के साथ विचारों को वास्तविक उत्पादों में बदलना है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी अच्छा विचार संसाधनों की कमी के कारण पीछे न रह जाए।

वस्तुतः इससे जुड़ा एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि अंतरिक्ष क्षेत्र में सफलता अकेली तकनीक आधारित नहीं होती है, इसके लिए उच्च स्तर का मानव प्रशिक्षण अति आवश्यक है। अच्छा यह है कि पिछले कुछ सालों में इस दिशा में भारत ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। गहारायी से विचार करें तो अब तक 17 विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरे किए जा चुके हैं, जिनमें लगभग 900 प्रतिभागियों को उपग्रह निर्माण, प्रक्षेपण प्रणाली और अंतरिक्ष साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में प्रमाणित किया गया है। यह पहल आज स्पष्ट कर रही है कि भारत अपने मिशन लॉन्च तो कर ही रहा है, साथ में एक संपूर्ण अंतरिक्ष इकोसिस्टम तैयार कर रहा है।

यही कारण है जो भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब वैश्विक सहयोग का केंद्र बन चुका है। वर्तमान में भारत की साझेदारी 45 से अधिक देशों तक फैल चुकी है। जैसा कि हमने देखा भी कि हाल के वर्षों में सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के साथ समझौते, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय कंपनियों की सक्रिय भागीदारी और घरेलू स्टार्टअप्स को वैश्विक बाजारों से जोड़ने की पहल इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

भारत की अंतरिक्ष सफलता की कहानी में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की भूमिका केंद्रीय रही है। चंद्रयान, मंगलयान और सैकड़ों सफल उपग्रह प्रक्षेपणों ने भारत को एक विश्वसनीय अंतरिक्ष शक्ति के रूप में स्थापित किया है। डॉ. विक्रम साराभाई का यह दृष्टिकोण आज भी प्रासंगिक है कि ₹हम अंतरिक्ष तकनीक को सिर्फ प्रतिष्ठा के लिए नहीं पाना चाहते हैं, भारत का उद्देश्य पूरी तरह से स्पष्ट और सार्वजनिक है कि समाज के विकास के लिए हमें अंतरिक्ष तकनीक का उपयोग करते रहना हैं।₹ आज हम देखते भी हैं कि भारत के वैज्ञानिकों एवं केंद्र सरकार ने इसी सोच के साथ अंतरिक्ष को शिक्षा, कृषि, मौसम पूवार्नुमान, आपदा प्रबंधन और संचार जैसे क्षेत्रों में उपयोग किया है।

इसके साथ एक बात यह भी दिखाई देती है कि वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का आकार 500 बिलियन डॉलर से अधिक है, भारत का लक्ष्य इसमें अपनी हिस्सेदारी को तेजी से बढ़ाना है ।फिलहाल देखने में आ रहा है कि निजी निवेश और स्टार्टअप्स इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यही कारण है जोकि अंतरिक्ष तकनीक अब राष्ट्रीय सुरक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी और डेटा इकोनॉमी का भी आधार बन चुकी हैं। ऐसे में कहना यही है कि भारत की अंतरिक्ष यात्रा विश्वास, दृष्टि और सामूहिक प्रयास का ही आज सुखद परिणाम के रूप में हमारे सामने है। निश्चित ही जब विश्व भारत की ओर देखता है, तब अच्छा लगता है कि एक भरोसेमंद साझेदार, एक नवाचारी शक्ति और एक प्रेरणास्रोत के रूप में भारत हमें दिखाई देता है।

300 साल पुराने ठनठनिया काली मंदिर का रहस्य

चुनावी शोर, सियासी नारों और रैलियों की गूंज के बीच पश्चिम बंगाल के एक प्राचीन मंदिर ने अचानक पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। दरअसल, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में ठनठनिया काली मंदिर में पूजा-अर्चना की तो करीब 300 साल पुराना यह पावन धाम सुर्खियों में आ गया। इस मंदिर की सबसे बडी खासियत यहां चढ़ाया जाने वाला है। दरअसल, यहां मां काली की आराधना उनके ह्यसिद्धेश्वरीह्व स्वरूप में की जाती है, जो भक्तों के लिए शक्ति और संरक्षण का अद्वितीय संगम माना जाता है। ठनठनिया कालीबाड़ी मंदिर की

खास परंपरा है कि यहां मां को आमिष (नॉन-वेज) का प्रसाद चढ़ाया जाता है। मान्यता है कि रामकृष्ण परमहंस ने केशब चंद्र सेन की अच्छी सेहत के लिए मां को ह्यडाब-चिंगड़ीह्व (नारियल और झींगा) का प्रसाद चढ़ाया था। इसके बाद से यहां आमिष भोग की परंपरा शुरू हो गई। 1703 में स्थापित इस ह्यजागृतह्व मंदिर से भक्त कभी खाली हाथ नहीं जाते। ऐसा भी कहा जाता है कि घने जंगल के बीच स्थित मंदिर में घंटियों की आवाज जोर-जोर से गूंजती है और उसी की ठन-ठन से यहां के इलाके का नाम ठनठनिया पड़ गया। पुरानी मान्यताओं के अनुसार, उदनारायण ब्रह्मचारी नामक तांत्रिक ने भागीरथी नदी के किनारे घने जंगलों में स्थित श्मशान में मां काली की सिद्धेश्वरी रूप की मूर्ति बनाई थी। फिर शंकर घोष नाम के व्यक्ति ने 1860 में यहां काली मंदिर और पुष्पेश्वर शिव का आठचाला मंदिर बनवा दिया। आज भी उनके वंशज इस मंदिर का सेवा करते हैं।

सबसे खास बात यह है कि इस मंदिर में स्थित मूर्ति मिट्टी का बनी है, जिसे हर साल पुनः संस्कार किया जाता है। यही नहीं, चतुभुर्जा और गहरे काले वर्ण वाली सिद्धेश्वरी देवी के बाएं हाथों में खड्ग व नरकपाल सुशोभित हैं। यहां मां की पूजा तांत्रिक विधि से की जाती है। हर अमावस्या को हजारों भक्त दर्शनों के लिए आते हैं हर अमावस्या को यहां हजारों की संख्या में भक्त दर्शन करने के लिए आते हैं। हालांकि ठनठनिया मंदिर रोजाना भक्तों के लिए खुला रहता है। श्रद्धालु किसी भी दिन सुबह 6 बजे से 11 बजे तक और दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक मां के दर्शन करने के लिए आ सकते हैं।

टिप्स

बच्चों को चाय-बिस्कुट देना खतरनाक !

कई घरों में सुबह की शुरूआत आमतौर पर चाय और बिस्कुट या हल्के स्नैक्स से होती है। जब घर के बड़े ऐसा करते हैं, तो बच्चे भी यही आदत अपना लेते हैं। लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक यह आदत बच्चों के लिए बिल्कुल अच्छी नहीं होती है। चाय और बिस्कुट से शरीर को जरूरी पोषण नहीं मिल पाता है। वहीं लंबे समय तक ऐसा नाश्ता करने से बच्चे के फिजिकल और मेंटल हेल्थ पर भी बुरा असर पड़ सकता है। वहीं बच्चे की इम्युनिटी भी कमजोर हो सकती है। इसलिए जरूरी है कि बच्चे को हेल्दी नाश्ते का ऑप्शन दिया जाए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि चाय और बिस्कुट बच्चे के लिए अनहेल्दी क्यों है। साथ ही यह बच्चे की फिजिकल और मेंटल हेल्थ पर कैसे बुरा असर डाल सकता है।

चाय-बिस्कुट क्यों है अनहेल्दी

सुबह का नाश्ता बच्चे के पूरे दिन की एनर्जी, ओवरऑल हेल्थ और दिमाग के काम के लिए बहुत जरूरी है। चाय-बिस्कुट में न के बराबर पोषण होता है। बिस्कुट ज्यादातर चीनी, मैदा और अनहेल्दी फैट से बना होता है। इनमें फाइबर, प्रोटीन, मिनरल्स और विटामिन जैसे पोषक तत्व न के बराबर पाए जाते हैं।

वहीं चाय में भी कोई खास पोषण नहीं होता है। चाय और बिस्कुट मिलकर 'खाली कैलोरी' देते हैं। जोकि पेट तो भरते हैं, लेकिन शरीर को जरूरी पोषण और ताकत नहीं देते हैं। इसी वजह से यह कॉम्बिनेशन बच्चों के लिए पूरी तरह से अनहेल्दी है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

आरोपियों ने गाली-गलौज कर की मारपीट

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के नया टोला निवासी राजेन्द्र मंडल ने मारपीट की घटना को लेकर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने मनोज मंडल, रोहन मंडल सहित अन्य लोगों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है।राजेन्द्र मंडल ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की जिससे उन्हें चोटें आई हैं। इधर, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कड़ा से सिर पर वार कर गंभीर रूप से किया घायल

साहिबगंज: तालझारी थाना क्षेत्र के गदाई दियारा निवासी शुभाष महतो 35 वर्ष को महाराजपुर घाट में कुछ अज्ञात लोगों ने हाथ में पहनने वाला कड़ा से सिर पर वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल के स्वजनों ने इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डाक्टर तुरंत प्राथमिक उपचार में जुट गए। घर ने बताया कि महाराजपुर घाट में दो से तीन युवक शराब का सेवन कर रहे थे मैं वहां से गुजर रहा था तभी एक युवक ने मुझे बेवजह मरने लगा और विरोध किया तो वह हाथ का कड़ा खोलकर और ज्यादा मरने लगा जिससे मेरा सिर फट गया और मैं लहू लुहान हो गया।

सीओ और जिरवाबाड़ी थाना पुलिस ने सभी मामलों की गंभीरता से सुनवाई की

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना परिसर में जमीन से जुड़े विवादों के समाधान के लिए थाना दिवस का आयोजन किया गया। थाना दिवस का आयोजन अंचल अधिकार के नेतृत्व जिरवाबाड़ी पुलिस के सहयोग से किया गया।थाना दिवस के दौरान दर्जन लोग अपनी जमीन संबंधी शिकायतों को लेकर पहुंचे। सीओ व जिरवाबाड़ी थाना पुलिस ने सभी मामलों की गंभीरता से सुनवाई की। इस दौरान पक्ष और विपक्ष दोनों के कागजातों की बारीकी से जांच की गई।ताकि निष्पक्ष और त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके।थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि कुल प्राप्त मामलों में से दो मामलों का मौके पर ही आपसी सहमति एवं दस्तावेजों के आधार पर निपटारा कर दिया गया। वहीं अन्य लंबित मामलों में संबंधित पक्षों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ अगले थाना दिवस में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है।

एनईईटी युजी I2026 परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न

साहिबगंज : राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित एन ईईटी (युजी)-2026 परीक्षा साहिबगंज जिला मुख्यालय स्थित कुल तीन परीक्षा केन्द्र पर सफल, शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुई परीक्षा का आयोजन एक पाली में किया गया। जिसमें 614 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए।परीक्षा के सफल संचालन हेतु जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई थी। साथ ही, कदाचारमुक्त परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए सख्त निगरानी व्यवस्था लागू की गई थी। उपायुक्त -सह- जिला दंडाधिकारी श्री दीपक कुमार दूबे के द्वारा सभी परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा परीक्षा संचालन में संलग्न पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।उपायुक्त -सह- जिला दंडाधिकारी श्री दीपक कुमार दुबे ने परीक्षा के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले सभी संबंधित पदाधिकारियों, कर्मियों एवं आमजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सरकार की हर योजना जनता तक पहुंचे यह हर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है : संजय पटेल

साहिबगंज : भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देश पर साहिबगंज ग्रामीण मंडल मे संगठन को मजबूती बनाने को लेकर बैठक की गई इस बैठक की अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी साहिबगंज ग्रामीण मंडल के अध्यक्ष अनुराग राहुल ने किया।जबकि मंच संचालन मंडल महामंत्री ओम प्रकाश पांडे ने की वहीं प्रभारी के रूप में पूर्व नगर अध्यक्ष संजय पटेल मौजूद रहे।इस बैठक में केंद्र सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का निर्देश दिए।वहीं अनुराग राहुल ने मंडल ने बताया कि सरकार की हर योजना जनता तक पहुंचे यह हर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है।वहीं उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न योजनाओं को विस्तार से बताया।मौके पर मौजूद सभी नवनियुक्त पदाधिकारी को मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल ने अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया।मौके पर मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल मंडल,उपाध्यक्ष अमरनाथ चौधरी,मंडल उपाध्यक्ष पवन कुमार यादव,मंडल उपाध्यक्ष अभय कुमार पासवान,मंडल उपाध्यक्ष निशा देवी,महामंत्री ओम प्रकाश पांडे,मंडल महामंत्री ग्राम प्रताप चौधरी,मंडल मंत्री किरण देवी,मंत्री राजीव कुमार मंडल,मीडिया प्रभारी प्रवीण कुमार मंडल,मीडिया सफर्भरी मुरारी कुमार, कन्हाई कुमार मंडल,विकास कुमार यादव,अनूप लाल महतो,अशोक कुमार, भीम ठाकुर,पप्पू रिखयाशन,संजय कुमार सिंह,रंजीत कुमार यादव,जनार्दन,उज्जवल कुमार यादव, रविंद्र कुमार,मुरारी चौधरी दर्जनों कार्यकर्ता शामिल हुए।

बरही पुस्तकालय में लगा सीसीटीवी

बरही : स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय में वाई-फाई और सीसीटीवी कैमरा लगाया गया। स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय ट्रस्ट पुस्तकालय का संचालन करेगी। ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो हीरामन साव एवं सचिव कृष्णा प्रजापति ने बताया कि स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय का बेहतर कलर में रंग रोगन किया गया है। पुस्तकालय में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की गई है। पुस्तकालय परिसर को सीसीटीवी कैमरा एवं वाईफाई से लैस किया गया है। संचालन समिति के अध्यक्ष डॉ सुनील कुमार दत्त, सचिव संजय कुमार दुबे एवं एडमिशन प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि अब पुस्तकालय का संचालन विधिवत किया जाएगा।

जिले के सभी सीएचसी और अनुमंडलीय अस्पतालों में भी एबीडीएम डिजिटल प्रणाली लागू की जाए : सिविल सर्जन

संवाददाता

साहिबगंज : सिविल सर्जन साहिबगंज की अध्यक्षता में सदर अस्पताल साहिबगंज स्थित सिविल सर्जन कक्ष में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला स्तर के पदाधिकारी एवं कर्मी जिला अकाउंट मैनेजर, जिला डाटा मैनेजर डीपीएमयु कोऑर्डिनेटर एबीडीएम कोऑर्डिनेटर, लिपिक एवं अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित रहे।अस्पताल को पूर्णतः डिजिटल बनाने पर जोर देते हुए सिविल सर्जन द्वारा निर्देशित किया गया कि के अंतर्गत सदर अस्पताल साहिबगंज को पूर्णतः डिजिटल एवं पेपरलेस अस्पताल के रूप में विकसित किया जाए।इसके तहत सीडीएसी एचएमआईएस के विभिन्न मॉड्यूल ओपीडी,आईपीडी फामेर्सी लैबोरेट्री पेमेंट सिस्टम को प्रभावी रूप से लागू करते हुए इ सूचना के माध्यम से सभी सेवाओं का डिजिटलीकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।संसाधन एवं क्रियान्वयन के निर्देशइस दिशा में सिविल सर्जन द्वारआवश्यक कंप्यूटर प्रिंटर व

मैनपावर की उपलब्धता सुनिश्चित करने अस्पताल स्तर पर सभी आवश्यकताओं का असेसमेंट कर शीघ्र व्यवस्था करने,उक्त प्रणाली को 06 मई 2026 तक अनिवार्य रूप से लागू करने के लिए एबीडीएम कोऑर्डिनेटर एवं संबंधित कर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए। साथ ही साथ ही निर्देशित किया गया कि जिले के सभी सीएचसी और अनुमंडलीय अस्पतालों में भी एबीडीएम के अंतर्गत यह डिजिटल प्रणाली लागू की जाए। इसके लिए संबंधित प्रखंडों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी उनकी टीम से समन्वय स्थापित कर समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा।निजी क्लीनिक, नर्सिंग होम अस्पताल लब फामेर्सी का एचपीआर ,

एचईआर शत प्रतिशत बनाने हेतु निर्देश दिया गया। जिसमें सभी निजी क्लिनिक अस्पताल और लैबोरेट्री में कार्यरत डॉक्टर, स्टाफ नर्स, लैब टेक्नीशियन व अन्य कर्मियों इसके साथ साथ रजिस्टर सभी फामेर्सी का एचपीआर व सभी स्वास्थ्य संस्थानों का एचएफ आर तीन दिनों के भीतर पूर्ण करने हेतु पत्र निर्गत करने का निर्देश दिया गया साथ ही इसका का निगरानी एवं फॉलोअप की जिम्मेदारी एबीडीएम कोऑर्डिनेटर को सौंपी गई।बैठक में अस्पताल के सुचारू संचालनसाफ-सफाई व्यवस्था गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यक्रमों को और अधिक सुदृढ़ करने पर भी विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में डीएएम अमित कुमार, डीडीएम अमित कच्छप, डीपीएमयु कोऑर्डिनेटर राजीव रंजन, लिपिक दिलीप सिंह, मुकेश सिन्हा, परवीन सक्सेना , एबीडीएम कॉर्डिनेटर अभय सिंह सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

साहिबगंज शहर को एक स्वच्छ व सुदंर शहर बनाएंगे: रामनाथ पासवान

नगर परिषद अध्यक्ष का शहर के कृष्णा नगर में हुआ नागरिक अभिनंदन

संवाददाता

साहिबगंज : शहर के कुलीपाड़ा, कृष्णा नगर में विजय वर्मा के निवास स्थान के समीप समाजसेवी विजय वर्मा एवं समस्त कृष्णानगर वासियों की ओर से रविवार को नव निर्वाचित साहिबगंज नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान का नागरिक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया है।इस दौरान तय समय पर नगर परिषद अध्यक्ष के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते ही लोगों ने फूल मालाओं से उनका भव्य अभिनंदन किया। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए समाजसेवी विजय वर्मा ने अध्यक्ष रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान को अंगवस्त्र ओढ़ा कर व फूल माला पहना कर अभिनंदन किया।कार्यक्रम के

दौरान अध्यक्ष ने वहां मौजूद एक-एक नागरिक की समस्या ध्यानपूर्वक सुनी। वहीं समस्याओं के समाधान के लिए लोगों की राय भी ली।इसके उपरांत नगर परिषद अध्यक्ष ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें शहर के लोगों ने ही अपना कीमती वोट देकर अध्यक्ष बनाया है।जनता की समस्या उनकी अपनी समस्या है।लोगों की समस्या सुन उनकी राय भी ले रहे हैं। उन्होंने आश्वसन दिया कि समस्याओं के समाधान का हर संभव प्रयास करेंगे। साहिबगंज शहर को एक स्वच्छ व सुदंर शहर बनाएंगे।जहां नाली व सड़क, लाइट के अलावे कचरा उठाव से लेकर हर प्रबंधन सुदृढ़ किया जाएगा।ताकि शहरवासियों को परेशानियों का सामना ना करना पड़े।उन्होंने आश्वस्त किया कि किसी को कोई भी समस्या हो तो सीधे उनसे उनके कार्यालय में मुलाकात करें।हर समस्या के समाधान की पूरी कोशिश करेंगे। मौके पर मो कलीमुद्दीन, अनिल पासवान, शेखर पासवान, उदय कुमार सिंह, सज्जाद खान,राजू अंसारी, अशोक सिन्हा,दिनेश वर्मा, संजय पासवान सहित कृष्णानगर के दर्जनों महिला व पुरुष मौजूद थे।

22 लाख की ठगी होने की शिकायत मुख्यालय डीएसपी से की

संवाददाता

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के तालबन्ना निवासी विनय कुमार केसरी ने उनके साथ हुए 22 लाख की ठगी होने की शिकायत मुख्यालय डीएसपी विजय कुशवाहा से किया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 के जुलाई माह में मैं पटना और लखनऊ की रहने वाली दिव्या मेहता नामक महिला के द्वारा एच आई जी कॉइन में अपना पैसा इन्वेस्ट किया। तीन दिन का दो ट्रेडिंग में मुझे मुनाफा हुआ। तीसरी बार ट्रेडिंग जो 5 दिन का था उसमें मैं चार दिन का हीं ट्रेडिंग किया और प्रतिदिन मुनाफे का 30 प्रतिशत कमिशन अपने ब्रोकर हर्ष गोइंका, मुम्बई को पे करने के बाद मुझे बताया गया कि अब आपका कैश विड्रॉ कर सकते हैं। कुल मुनाफा 22 लाख था। फिर मुझे 22 लाख का 30 प्रतिशत वेरिफिकेशन फी का डिमांड किया गया जिसका समयावधि 30 दिन का था। मैं वह 30 प्रतिशत वेरिफिकेशन फी पेमेंट कर दिया पर उसके दिए हुए समय से कुछ ज्यादा समय बाद तब मुझे बताया गया कि आपका समय अवधि 30 दिन का था पर आपने बहुत देर कर दिया है और इस अवधि के समाप्त होने के उपरांत मुझे फिर कुल राशि का 20 प्रतिशत फिर डिमांड किया गया। इसके लिए मुझे 5 दिन का समय दिया गया। 20प्रतिशत पैसा अरेंज करने में मुझे करीबन 20 से 25 दिन लग गया और 20प्रतिशत राशि भुगतान कर दिया। चुकी समय अवधि बीतने के कारण मेरा क्रेडिट स्कोर फिर डाउन हो गया इस वजह से मुझे फिर 6 लाख का डिमांड किया गया। मैंने अपने ब्रोकर से अनुरोध किया कि आप मुझे कुछ मदद कर दें तो वह मुझे 3 लाख सपोर्ट करने के लिए बोले। मैं भी किसी तरह दो लाख जुटाकर पेमेंट कर दिया और मेरे काफी अनुरोध के बाद मेरे ब्रोकर ने 3 लाख के बजाय 2 लाख ही मुझे भुगतान किया यह बोलकर कि मैं और आपकी आपकी कोई मदद नहीं कर सकता और मुझे शेष राशि 2 लाख का और डिमांड किया गया। फिर वह मोबाइल स्विच ऑफ कर लिया जिसके कारण मुझे विड्रॉ लेने में काफी परेशानी हो रही है। वही मुख्यालय डीएसपी विजय कुशवाहा ने बताया कि मामले की छानबीन कर टेक्निकल सेल की मदद से कार्रवाई की जाएगी।

समझौते का दबाव बना विवाद महिला पर चाकू से हमला

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र की सोती चौकी पांगडो गांव में पुरानी रंजिश को लेकर एक महिला पर चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घायल महिला की पहचान रिंकी मुसमात रिंकी देवी के रूप में हुई है जिन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।घटना के संबंध में रिंकी देवी ने बताया कि गांव के कुछ लोगों के साथ उनका पुराना विवाद चल रहा था जो पहले थाना तक भी पहुंच चुका था। इसी मामले को लेकर आरोपित पक्ष लगातार उन पर समझौता करने का दबाव बना रहा था। जब उन्होंने समझौता करने से इनकार किया तो आरोपित आक्रोशित हो गए।पीड़िता के अनुसार, गांव की चंद्रकांता, देव, सुनीता देवी, शोभा देवी सहित तीन अज्ञात लोगों ने मिलकर उनके साथ मारपीट की और चाकू से शरीर के कई हिस्सों पर हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। किसी तरह अपनी जान बचाकर वह सदर अस्पताल पहुंचीं, जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक अंकित कुमार द्वारा उनका इलाज किया गया।इधर, घटना की सूचना मिलते ही जिरवाबाड़ी थाना पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि पीड़िता के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी और आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

बरहरवा आरपीएफ की सतर्कता से नाबालिक सुरक्षित रेस्क्यू, बाल संरक्षण को किया सुपुर्द

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार के नेतृत्व में एएसआई सुरेश पासवान, कांस्टेबल अनिल कुमार साह एलसी अर्पण कुमार एवं एल.सी काजल कुमारी के साथ संयुक्त रूप से बरहरवा रेलवे स्टेशन पर रात्रि 08:10 बजे से असामाजिक तत्वों मानव तस्करी,यात्री संबंधी आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम हेतु सघन जाँच अभियान चलाया गया।चेकिंग के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या 01 से प्लेटफॉर्म संख्या 02 साहिबगंज छोर की ओर जाते समय प्लेटफॉर्म संख्या 02 पर एक नाबालिग बालिका अकेले संदिग्ध अवस्था में घूमती

हुई पाई गई। संदेह के आधार पर उससे पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपनी उम्र 14 साल और थाना काशीचक बिहार की रहने वाली बताया।आगे पूछताछ करने पर उसने बताया कि वह काशीचक रेलवे स्टेशन बिहार से अपनी नानी के घर पिंजारी, शेखपुरा बिहार जाने के लिए ट्रेन पकड़ने आई थी।लेकिन गलती से गलत ट्रेन में सवार हो गई और बरहरवा रेलवे स्टेशन पर उतर गई। अपरिचित स्थान होने के कारण वह भयभीत होकर इधर-उधर भटक रही थी।उक्त नाबालिग बालिका को सुरक्षित आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाया गया तथा तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन साहिबगंज को सूचित किया गया।आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूर्ण करने के उपरांत चाइल्ड हेल्पलाइन मंथन के प्रतिनिधि आइपीएफ पोस्ट पर पहुंचे एवं बालिका की काउंसलिंग की गई। तत्पश्चात विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत नाबालिग बालिका को चाइल्ड हेल्पलाइनमंथन की प्रतिनिधि अंशु मालाकर को अग्रिम कार्रवाई हेतु सुपुर्द किया गया।

झारखंड कांग्रेस ने जारी की नई समितियों व पदाधिकारियों की सूची

संवाददाता

साहिबगंज : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने झारखंड प्रदेश में नई समितियों के गठन और पदाधिकारियों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।पार्टी आलाकमान की स्वीकृति के बाद महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने रविवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की।इस कदम को राज्य में संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है।घोषणा के अनुसार, पार्टी ने संगठनात्मक और चुनावी गतिविधियों को सुदृढ़ करने के लिए पांच प्रमुख समितियों का गठन किया है।इनमें समन्वय समिति,अभियान समिति परिसीमन समिति,चुनाव प्रबंधन समिति और एसआईआर समिति शामिल हैं।समन्वय समिति में 34 सदस्य रखे गए हैं।जबकि अभियान समिति में बंधु तिर्की शहजादा अनवर और अंबा प्रसाद जैसे नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है।परिसीमन समिति में प्रदीप यादव और सुबोधकांत सहाय सहित पांच सदस्य शामिल हैं।वहीं चुनाव प्रबंधन समिति में बन्ना गुप्ता और रविंदर सिंह सहित आठ सदस्यीय टीम बनाई गई है।एसआईआर समिति में डॉ प्रदीप बालमुचू,डॉ रामेश्वर उरांव

और राजेश ठाकुर जैसे वरिष्ठ नेताओं को शामिल किया गया है।इसके साथ संगठनात्मक स्तर पर भी बड़े पैमाने पर नियुक्तियां की गई हैं।पार्टी ने गोपाल साहू को राज्य का नया कोषाध्यक्ष बनाया है।इसके अलावा 16 उपाध्यक्ष, 43 महासचिव, 81 सचिव और 44 संयुक्त सचिवों की नियुक्ति की गई है। साथ ही राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में समन्वय स्थापित करने के लिए 37 प्रदेश समन्वयकों को भी जिम्मेदारी दी गई है।पार्टी सूत्रों के अनुसार इस व्यापक फेरबदल के जरिए झारखंड में संगठन को और मजबूत करने तथा सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया गया है।कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि नई टीम के साथ पार्टी आगामी राजनीतिक चुनौतियों का बेहतर तरीके से सामना कर सकेगी। सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई हैं।इन नई समितियों में साहिबगंज से तीन नेताओं को भी शामिल किया गया है।जारी सूची के अनुसार समन्वय समिति में साहिबगंज से कांग्रेस नेता अनुकूल चंद्र मिश्रा को शामिल किया गया है।एसाईआर कमिटी में प्रदेश सचिव अजय यादव एवं अनिल ओझा को बनाया गया है।

'आसमानी' वर्ल्ड प्रीमियर के लिए तैयार सयानी गुप्ता बोलीं-

आसमानी को अपने बच्चे की तरह मानती हूं

कई बार किसी कलाकार के लिए प्रोजेक्ट उसका सपना बन जाता है। ऐसा ही कुछ अभिनेत्री और प्रोड्यूसर सयानी गुप्ता के साथ हुआ है, जिनकी शॉर्ट फिल्म 'आसमानी' अब दुनिया के सामने पहली बार पेश होने जा रही है। यह सिर्फ एक फिल्म का प्रीमियर नहीं, बल्कि ढाई साल की मेहनत, सीख और संघर्ष का वह पल है, जिसका इंतजार वह लंबे समय से कर रही थीं। इसी खास मौके से पहले उन्होंने अपने इमोशन्स इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए साझा किए। सयानी गुप्ता ने इंस्टाग्राम पर अपनी पोस्ट में बताया कि पिछले ढाई साल उनकी जिंदगी के सबसे मेहनत भरे साल रहे हैं, जो अब जाकर 24 घंटे के अंदर एक बड़े मोड़ पर पहुंच रहे हैं। उनकी फिल्म 'आसमानी' का वर्ल्ड प्रीमियर होने जा रहा है और वह इसे अपने बच्चे की तरह मानती हैं, जो अब दुनिया को दिखाई जाएगी। उन्होंने लिखा, 'यह पल मेरे लिए बेहद खास है, और मैं चाहती हूं कि यह फिल्म लोगों के दिल तक पहुंचे।' इस फिल्म की खास बात यह है कि सयानी गुप्ता ने इसमें अभिनय के साथ इसकी कहानी को खुद लिखा है, निर्देशित किया और प्रोड्यूस भी किया है। यह उनके करियर का वह पड़ाव है, जहां उन्होंने कैमरे के सामने ही नहीं बल्कि कैमरे के पीछे भी अपनी पहचान बनाई है। उनके इस पोस्ट पर फैंस के साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री से भी प्यार और शुभकामनाएं मिल रही हैं। अभिनेत्री और पूर्व मिस यूनिवर्स दीया मिर्जा ने कमेंट करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके लिए खुशी जताई। उन्होंने कमेंट में लिखा, 'गुड लक और फ्लाई।' 'आसमानी' सयानी गुप्ता की पहली पूरी तरह से बनाई गई प्रोडक्शन फिल्म है। इसमें मशहूर अभिनेत्री रेवती और अभय कौल जैसे कलाकार नजर आएंगे। इससे पहले सयानी ने कुछ प्रोजेक्ट्स में सह-निर्माता के तौर पर काम किया था लेकिन यह उनका पहला प्रोडक्शन प्रोजेक्ट है, जिसे उन्होंने खुद लीड किया है। सयानी ने पहले बताया था कि यह उनका लंबे समय का सपना था कि वह ऐसी कहानियां बनाएं जो अलग हों और जिनमें नए विचार हों। वह चाहती हैं कि फिल्म निर्माण में सहयोग और रचनात्मकता को बढ़ावा मिले। इसलिए वह हर प्रोजेक्ट को धीरे-धीरे, लेकिन पूरी मेहनत और समझ के साथ करना चाहती हैं।

परिणीति चोपड़ा ने दिया सेल्फ लव का संदेश

अपनों के साथ बिताएं समय

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा इन दिनों मदरहुड़ के सुखद पलों का आनंद ले रही हैं। बुधवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के जरिए सेल्फ लव और मानसिक शांति से जुड़े मुद्दों पर विचार शेयर किए। परिणीति चोपड़ा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक नोट लिखा, जिसमें उन्होंने जीवन को सादगी और सकारात्मकता के साथ जीने की सलाह दी। अभिनेत्री ने अपने पोस्ट में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर जोर दिया। उन्होंने लिखा, 'हमें छोटी-छोटी बातों पर तनाव लेना बंद कर देना चाहिए। शरीर हमारी सबसे बड़ी पूंजी है, इसलिए इसकी आलोचना करने के बजाय हमें इसके प्रति दयालु होना चाहिए।

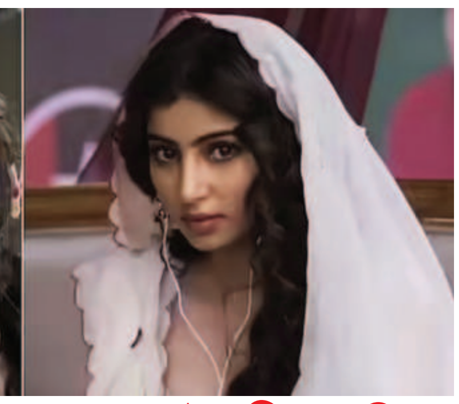

'उनके जैसा कोई नहीं'

सारा अर्जुन ने दिल खोलकर की रणवीर सिंह की तारीफ, कहा- 'वो कभी भी बड़प्पन नहीं दिखाते'

फिल्म 'धुरंधर' के दोनों पार्ट में रणवीर सिंह के साथ-साथ सारा अर्जुन ने अहम भूमिका निभाई है। यालीना के किरदार में उन्हें काफी पसंद किया गया है। हाल ही में सारा ने फिल्म में रणवीर सिंह के साथ काम करने का अनुभव शेयर करते हुए उनकी काफी तारीफ की है। सारा अर्जुन ने 'धुरंधर' फ्रेंचाइजी में यालीना की भूमिका से काफी सुर्खियां बटोरी हैं। हाल ही में उन्होंने रणवीर सिंह के साथ फिल्म में काम करने का अनुभव साझा किया। सारा अर्जुन ने बताया कि रणवीर से बेहतर को-स्टार कोई नहीं हो सकता। सारा के मुताबिक, रणवीर सिंह बतौर एक्टर सिर्फ अपनी भूमिका तक नहीं सीमित रहते, बल्कि पूरी फिल्म के बारे में सोचते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एक एक्टर के तौर पर वे रणवीर की बहुत बड़ी फैन हैं। सारा अर्जुन ने हाल ही में फेमिना इंडिया के साथ हुई एक बातचीत में कहा, 'एक को-एक्टर के तौर पर रणवीर सिंह की बराबरी कोई नहीं कर सकता। वे सच में यह मानते हैं कि यह सिर्फ उनकी फिल्म नहीं, बल्कि सबकी फिल्म है। वे सिर्फ दूसरे एक्टर्स के साथ ही ऐसे नहीं हैं, बल्कि टेक्नीशियंस, स्पॉट बॉयज, क्रू के हर सदस्य और हर एक्टर के साथ उनका रवैया ऐसा ही रहता है। उन्होंने कभी भी अपनी सीनियरिटी को सुपीरियरिटी के तौर पर हावी नहीं होने दिया'।

राजीव खंडेलवाल ने खोला अपनी

पर्सनल लाइफ का राज

नए रियलिटी शो तुम हो ना में, में एक ऐसा भावुक और सोचने पर मजबूर करने वाला पल देखने को मिला जब अभिनेता और शो होस्ट राजीव खंडेलवाल ने कंटेस्टेंट पूनम और उनके पति के साथ दिल को छू लेने वाली बातें शेयर कीं। राजीव ने इस दौरान यह बात सामने रखी कि घर और रिश्तों की जिम्मेदारियां सिर्फ महिला या पुरुष की नहीं होतीं, बल्कि दोनों को मिलकर निभानी चाहिए। उन्होंने शादी में पुराने तय ढर्रे से हटकर बराबरी की सोच अपनाने पर जोर दिया।

राजीव ने अपनी निजी जिंदगी का उदाहरण देते हुए बताया कि वह अपनी पत्नी का हर दिन खास ख्याल रखते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं हर रोज अपनी पत्नी के लिए चाय बनाता हूं। रोज सुबह उन्हें गर्म पानी भी देता हूं।' उन्होंने यह भी कहा कि वह इस बारे में आगे और बात करेंगे, लेकिन इतना जरूर समझना चाहिए कि घर में देखभाल और जिम्मेदारी दोनों की होती है। पूनम से बातचीत के दौरान, उन्होंने बताया कि उसके पति भी अपनी पत्नी के लिए करवा चौथ का व्रत रखते हैं और कहा, '365 दिनों में एक ही दिन आता है, तो हर पति अपनी पत्नी के लिए एक दिन का त्याग तो कर ही सकता है। ' राजीव ने पूनम के इस फैसले की भी तारीफ की कि वह इनाम की रकम का इस्तेमाल अपने पति के लिए रसोई को और सुविधाजनक बनाने में करना चाहती हैं। जब राजीव ने पूनम के पति से पूछा कि वह रोज खाना क्यों बनाते हैं, तो उन्होंने भावुक होकर जवाब दिया, 'मेरी जिंदगी में माता-पिता के जाने के बाद मेरे घर को पूनम ने ही संभाला है।

संघर्ष के दिनों में छोटी-मोटी नौकरियां कीः कीकू शारदा

टीवी की दुनिया में जब भी कॉमेडी का नाम लिया जाता है, तो कीकू शारदा का चेहरा लोगों के सामने जरूर आता है। कभी 'पलक' बनकर तो कभी 'बंपर' और 'बच्चा यादव' के किरदार में उन्होंने दर्शकों को इतना हंसाया कि लोग उनके स्क्रीन पर आने का इंतजार करने लगे। उनकी कॉमिक टाइमिंग, मजेदार डांस और अलग अंदाज ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। आज भले ही कीकू शारदा टीवी और ओटीटी की दुनिया का बड़ा नाम बन चुके हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें मुंबई में अपना खर्च चलाने के लिए छोटी-मोटी नौकरियां करनी पड़ी थीं। संघर्ष के उसी दौर ने उन्हें आगे बढ़ने की हिम्मत दी। कीकू शारदा का असली नाम राघवेंद्र अमरनाथ शारदा है। उनका जन्म 14 फरवरी 1975 को राजस्थान के जोधपुर में एक मारवाड़ी परिवार में हुआ था। उनका परिवार चाहता था कि कीकू फैमिली बिजनेस संभालें। लेकिन बचपन से ही उनका मन अभिनय और लोगों को हंसाने में लगता था। स्कूल के दिनों में वह ड्रामा और स्टेज शो में हिस्सा लेते थे। उनकी एक्टिंग को देखकर लोग खूब तालियां बजाते। यही से उन्होंने तय कर लिया कि वह अभिनय की दुनिया में ही अपना नाम बनाएंगे। कीकू पढ़ाई में भी अच्छे थे। उन्होंने ग्रेजुएशन करने के बाद मार्केटिंग में एमबीए की पढ़ाई पूरी की। परिवार चाहता था कि वह अच्छी नौकरी करें या बिजनेस में हाथ बंटाएं, लेकिन उनके दिल में एक्टिंग का सपना था। अपने सपनों को पूरा करने के लिए वह मुंबई आ गए। हालांकि मुंबई में शुरुआत आसान नहीं थी। यहां उन्हें लंबे समय तक संघर्ष करना पड़ा। काम न मिलने की वजह से उन्हें छोटी-मोटी नौकरी करनी पड़ीं, ताकि अपना खर्च चला सकें। करीब दो साल तक संघर्ष करने के बाद उन्हें छोटे-छोटे रोल मिलने शुरू हुए। साल 2003 में उन्हें बच्चों के मशहूर शो 'हातिम' में 'होबो' का किरदार निभाने का मौका मिला। इस किरदार ने उन्हें पहली पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने कई टीवी शोज में काम किया, लेकिन असली सफलता उन्हें कॉमेडी शो 'एफआईआर' से मिली। इस शो में उन्होंने कॉन्स्टेबल मुलायम सिंह गुलगुले का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। कीकू की जिंदगी का सबसे बड़ा मोड़ तब आया, जब वह 'कपिल शर्मा शो' से जुड़े। 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' में उनका 'पलक' वाला किरदार लोगों के दिलों में बस गया। उनकी मजेदार बातें और अजीब डांस स्टेप्स देखकर दर्शक हंसते-हंसते लोटपोट हो जाते थे। इसके बाद 'द कपिल शर्मा शो' में उन्होंने 'बंपर', 'बच्चा यादव' और कई मजेदार किरदार निभाए। इन किरदारों ने उन्हें टीवी का बड़ा कॉमेडी स्टार बना दिया। टीवी के अलावा कीकू शारदा फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं। उन्होंने 'फिर हेरा फेरी', 'धमाल', 'रेस', 'हैप्पी न्यू ईयर', 'अंग्रेजी मीडियम' और 'जवानी जानेमन' जैसी फिल्मों में काम किया। उनकी कॉमिक एक्टिंग को हर जगह पसंद किया जाता है।

अकेलेपन में टूट गई थीं मालविका मोहनन, बोलीं-

'कमरे में लौटकर बात करने वाला कोई नहीं था'

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री मालविका मोहनन अक्सर अपनी फिल्मों और ग्लैमरस अंदाज को लेकर चर्चा में रहती हैं। लेकिन, चमकती दुनिया के पीछे कलाकारों की जिंदगी में कई बार ऐसा अकेलापन भी होता है, जिसके बारे में लोग कम ही जानते हैं।

हाल ही में मालविका ने अपने दिल की बात फैंस के साथ साझा की और बताया कि एक समय ऐसा आया था, जब वह अंदर से काफी टूट गई थीं। उन्होंने बताया कि परिवार और अपनों से दूर रहने की वजह से वह खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं। दरअसल, मालविका मोहनन ने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन रखा था। इस दौरान फैंस ने उनसे कई निजी और प्रोफेशनल सवाल पूछे। इसी बीच एक फैन ने उनसे पूछा कि वह आखिरी बार कब रोई थीं? इस सवाल का जवाब देते हुए मालविका ने कहा, ''पिछले महीने मैं काम के सिलसिले में चेन्नई में थीं। वहां मुझे लंबे समय तक रुकना पड़ा था। मेरी टीम बहुत अच्छी थी और काम भी ठीक चल रहा था, लेकिन लंबे समय तक घर और परिवार से दूर रहने की वजह से मैं धीरे-धीरे अकेलापन महसूस करने लगी थीं।'' उन्होंने कहा, ''दिनभर शूटिंग और काम में व्यस्त रहने के बाद जब मैं रात में अपने होटल के कमरे में लौटती थीं, तो वहां मुझसे बात करने वाला कोई नहीं होता था। यही चीज मुझे अंदर से परेशान करने लगी। मैं मानसिक रूप से काफी उदास थी। लगातार अकेले रहने का असर मेरे मन पर पड़ने लगा था, जिसके वजह से मुझे रोना आता था।'' अपने निजी अनुभव साझा करने के साथ-साथ मालविका ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि वह इस समय अभिनेता विजय सेतुपति के साथ एक तमिल फिल्म में काम कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन त्यागराजन कुमार राजा कर रहे हैं। मालविका ने निर्देशक की तारीफ करते हुए कहा कि वह सबसे बेहतरीन फिल्म निर्माताओं में से एक हैं। मालविका ने बताया कि इस फिल्म का नाम 'पॉकेट नॉवेल' है और यह इसी साल रिलीज होने वाली है। उन्होंने कहा, ''इस प्रोजेक्ट को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं और उम्मीद करती हूं कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए खास अनुभव रहा है।''

आईपीएल 2026: अभिषेक शर्मा ने ऑरेंज कैप पर फिर जमाया कब्जा ,

पर्पल कैप रेस में तीसरे स्थान पर पहुंचे रबाडा

एजेंसी

नई दिल्ली : रविवार को खेले गए डबल-हेडर मुकाबलों के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में ऑरेंज और पर्पल कैप की रेस और रोमांचक हो गई है। इस दिन जहां सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को क्रमशः कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, वहीं व्यक्तिगत प्रदर्शन ने अंकतालिका में बड़ा उलटफेर कर दिया।

ऑरेंज कैप: अभिषेक शर्मा फिर बने नंबर-1

ऑरेंज कैप की रेस में एक बार फिर अभिषेक शर्मा ने बाजी मार ली है। केकेआर के खिलाफ उन्होंने भले ही सिर्फ 15 रन बनाए, लेकिन इसके बावजूद वह कुल 440 रन के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के केएल राहुल (433 रन) को पीछे छोड़ दिया, जो अब दूसरे

स्थान पर हैं। तीसरे स्थान पर हेनरिक क्लासेन (425 रन) बने हुए हैं, जिन्हें इस मुकाबले में बड़ा स्कोर करने का मौका नहीं मिला। चौथे नंबर पर राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के वैभव सूर्यवंशी (404 रन) हैं।

इस सूची में नया नाम गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन का जुड़ा है, जिन्होंने 41 गेंदों में 57 रन की शानदार पारी खेलकर अपने कुल रन 385 तक पहुंचा दिए और टॉप-5 में एंट्री कर ली।

इसके अलावा ईशान किशन ने 42 रन की पारी खेलकर 354 रन के साथ नौवें स्थान पर जगह बना ली है, जबकि ट्रेविस हेड ने 28 गेंदों में 61 रन बनाकर 12वें स्थान पर छलांग लगाई।

पर्पल कैप: रबाडा की जबरदस्त वापसी, तीसरे स्थान पर पहुंचे

गेंदबाजी में कगिसो रबाडा शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने पिछले छह मैचों में 12 विकेट झटके हैं और कुल 16 विकेट के साथ पर्पल कैप की रेस में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के भुवनेश्वर कुमार और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के अंशुल कंबोज से सिर्फ एक विकेट पीछे हैं, जो फिलहाल संयुक्त रूप से शीर्ष पर काबिज हैं।

वहीं प्रसिद्ध कृष्णा इस मैच में नहीं खेले, ईशान मलिंगा को कोई विकेट नहीं मिला, जबकि राशिद खान सिर्फ एक विकेट ही ले सके। मोहम्मद सिराज और कार्तिक त्यागी ने जरूर दो-दो विकेट लेकर अपने कुल विकेट 11 तक पहुंचा दिए हैं, जिससे वे टॉप-10 में बने हुए हैं।

गुजरात टाइटंस की जीत की हैट्रिक, पंजाब किंग्स को 4 विकेट से हराया

अहमदाबाद : आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टेबल टॉपर पंजाब किंग्स को 4 विकेट से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। हालांकि इस हार के बावजूद पंजाब किंग्स अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर बरकरार है। नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में गुजरात ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पंजाब की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 163 रन ही बना सकी। जवाब में गुजरात ने 164 रन का लक्ष्य 19.5 ओवर में 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया। जीत के हीरो वॉशिंगटन सुंदर रहे, जिन्होंने आखिरी क्षणों में छक्का लगाकर मैच खत्म किया। रन चेज की शुरूआत गुजरात के लिए अच्छी नहीं रही और कप्तान शुभमन गिल जल्दी आउट हो गए। इसके बाद साई सुदर्शन ने पारी को संभाला और जोस बटलर के साथ अहम साझेदारी करते हुए टीम को स्थिरता दी। सुदर्शन ने शानदार अर्धशतक जड़ते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उनके आउट होने के बाद राहुल तेवतिया और वॉशिंगटन सुंदर ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए जीत सुनिश्चित की। इससे पहले पंजाब किंग्स की शुरूआत बेहद खराब रही और टीम ने महज 47 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। हालांकि सूर्यांश शेडगे ने दबाव के बीच बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंदों में 57 रन की पारी खेली। उन्होंने मार्कस स्टोयनिस के साथ मिलकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

मप्रः मुख्यमंत्री आज ग्वालियर प्रवास पर, राज्य स्तरीय दुग्ध उत्पादक एवं पशुपालक सम्मेलन में होंगे शामिल

- प्रदेश के 20 हजार से अधिक पशुपालक एवं दुग्ध उत्पादक होंगे शामिल

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज सोमवार को ग्वालियर के प्रवास पर रहेंगे। वे यहां राज्य स्तरीय दुग्ध उत्पादक एवं पशुपालक सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे। सम्मेलन में मुख्यमंत्री विभागीय योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित हितग्राहियों को स्वीकृति प्रमाण-पत्र भी वितरित करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रातःकाल लगभग 10 बजे विमान द्वारा राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयर टर्मिनल पहुँचेंगे। मुख्यमंत्री लगभग 12.30 बजे ग्वालियर व्यापार मेला परिसर पहुँचकर ह्लराज्य स्तरीय दुग्ध

उत्पादक एवं पशुपालक सम्मेलनह्व में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। जनसम्पर्क अधिकारी सुनील वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में मध्य प्रदेश को मिल्क कैपिटल बनाने और दुग्ध उत्पादकों और पशुपालकों को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा लगातार नवाचार किए जा रहे हैं। वर्ष-2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा ग्वालियर जिले में राज्य स्तरीय दुग्ध उत्पादक एवं पशुपालक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न जिलों के करीब 20 हजार पशुपालक, दुग्ध उत्पादक, लाभान्वित हितग्राही, सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि और उत्कृष्ट कार्य करने वाले पशुपालक शामिल होंगे। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने, उन्नत पशुपालन को बढ़ावा देने और सहकारिता के माध्यम से पशुपालकों की आर्थिक समृद्धि पर विशेष जोर दिया जाएगा। साथ ही मैत्री कार्यकर्ता, उदाहरणीय पशुपालक और क्षीरधारा ग्रामों के सरपंच सहित सहकारी दुग्ध समिति के सदस्य मुख्यमंत्री डॉ. यादव से अपने अनुभव साझा करेंगे। मेला ग्राउंड ग्वालियर में होने वाले सम्मेलन में पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल भी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम स्थल पर पशुपालन एवं डेयरी विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों द्वारा दुग्ध उत्पादन और सरकारी योजनाओं की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज ग्वालियर में ऋषि गालव विश्वविद्यालय का करेंगे भूमिपूजन

ग्वालियर : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज सोमवार को ग्वालियर प्रवास के दौरान उच्च शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार में बड़े आयाम के रूप में जुड़ने जा रहे आवासीय ऋषि गालव विश्वविद्यालय का भूमिपूजन करेंगे। यह कार्यक्रम शिवपुरी लिंक रोड से शीतला माता मार्ग पर स्थित बेला ग्राम में प्रातः लगभग 10 बजे आयोजित होगा। इस विश्वविद्यालय का निर्माण मध्यभारत शिक्षा समिति द्वारा लगभग 55 बीघा भूमि पर 110 करोड़ रुपये की लागत से कराया जा रहा है, जिसमें करीब 5 हजार छात्र छात्राओं की पढ़ाई की सुविधा होगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री डॉ.यादव प्रातःकाल लगभग 10 बजे विमान द्वारा राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयर टर्मिनल पहुँचेंगे। वे यहां से हैलीकॉप्टर द्वारा रवाना होकर प्रातः लगभग 10.20 बजे ग्राम बेला पहुँचकर ऋषि गालव विश्वविद्यालय के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य सुरेश सोनी, उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार, जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघ चालक अशोक पाण्डेय एवं मध्यभारत शिक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र बांदिल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण भाग लेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस कार्यक्रम के बाद दोपहर लगभग 12.30 बजे मेला मैदान पहुँचकर ह्लराज्य स्तरीय दुग्ध उत्पादक एवं पशुपालक सम्मेलनह्व में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। मुख्यमंत्री इस अवसर पर वृंदावन ग्राम थीम पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। साथ ही सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत हितलाभ भी वितरित करेंगे। इस कार्यक्रम के पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. यादव शिवपुरी लिंक रोड़ पर स्थित एम्पायर रिसोर्ट में पहुँचकर स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके बाद अपरान्ह लगभग 3.40 बजे गोला का मंदिर के समीप निर्माणाधीन आरोग्यधाम सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल का अवलोकन करने पहुँचेंगे।

देवरिया की बेटी हर्षिता ने सदन में रखे अपने विचार, विकसित भारत का उठाया मुद्दा

एजेंसी

देवरिया : देवरिया जिले की हर्षिता दुबे ने उत्तर प्रदेश विधानसभा में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय विकसित भारत युवा संसद में रविवार को अपने विचार रखे। लार क्षेत्र के ग्राम पटनेजी निवासी प्रधानाचार्य रामजनम दूबे की पुत्री हर्षिता ने केंद्रीय बजट 2026 और विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण पर भारतीय युवाओं को सशक्त बनाने का मुद्दा उठाया। सदन को संबोधित करते हुए हर्षिता ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना तभी साकार होगा, जब देश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर रोजगार के अवसर और आधुनिक कौशल से सुसज्जित किया जाएगा। उन्होंने युवाओं के

लिए स्टार्टअप, इनोवेशन और डिजिटल स्किलिंग को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। हर्षिता ने सरकार की नीतियों को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से लागू करने की आवश्यकता बताई, ताकि ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों के युवाओं को भी समान अवसर मिल सकें। उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा का सही उपयोग देश को 2047 तक वैश्विक नेतृत्व की स्थिति में पहुंचा सकता है। इस युवा संसद में प्रदेशभर से चयनित प्रतिभाशाली युवाओं ने हिस्सा लिया। हर्षिता दुबे ने अपने तार्किक और आत्मविश्वास से भरे विचारों से देवरिया और पूरे पूर्वांचल का प्रतिनिधित्व किया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना मंच पर मौजूद जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों द्वारा भी की गई। हर्षिता की इस उपलब्धि पर विवेकानंद यूथ अवार्ड विजेता साहू विशाल गुप्ता, शिक्षक संघ अध्यक्ष डॉ गोविंद मिश्रा, प्रधान प्रतिनिधि अखिलेश दूबे, प्रधान प्रतिनिधि अभय मिश्रा, कन्हैया लाल दुबे बधाई दी ।

नेपालः किसी भी भूमिहीन को बेघर नहीं किया जाएगाः प्रधानमंत्री

एजेंसी

काठमांडू : नेपाल की राजधानी काठमांडू में नदियों के किनारे और सरकारी जमीन पर बसी भूमिहीन बस्तियों को हटाने की कार्रवाई के बीच फैल रही आशंकाओं पर प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने स्पष्ट किया है कि सरकार का किसी भी नागरिक को बेघर करने का कोई इरादा नहीं है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी एक संदेश में उन्होंने कहा कि सरकारी जमीन के अतिक्रमण वाले क्षेत्रों में कानून के अनुसार चल रही प्रबंधन प्रक्रिया को लेकर लोगों में योजनाबद्ध तरीके से डर फैलाया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से अपुष्ट जानकारी और भ्रम में न पड़ने की अपील की। प्रधानमंत्री बालेन्द्र ने स्पष्ट किया कि हाल के सरकारी कदमों

का उद्देश्य भूमिहीन लोगों को सड़क पर लाना नहीं, बल्कि उनके आवास के अधिकार को सुनिश्चित करना है। उन्होंने जानकारी दी कि इस समस्या के दीर्घकालीन समाधान में बाधा बन रहे भूमि संबंधी- 2021 के कुछ प्रावधानों को सरकार ने अध्यादेश के माध्यम से हटा दिया है।कानूनी बाधाएं हटने के बाद अब सरकार वास्तविक भूमिहीन नागरिकों की पहचान के लिए डिजिटल डेटा संग्रह, विवरण सत्यापन और स्पष्ट आधार पर अभिलेख तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर चुकी है। सरकार का विश्वास है कि इससे भूमिहीनों की वास्तविक स्थिति सामने आएगी और समस्या का पारदर्शी व स्थायी समाधान संभव होगा।सरकार की योजना के अनुसार, जोखिम भरे और असुरक्षित स्थानों पर रह रहे लोगों को सुरक्षित और व्यवस्थित स्थानों पर स्थानांतरित किया जाएगा। अन्य भूमिहीन नागरिकों के मामले में संबंधित आयोग की सिफारिश और संकलित आंकड़ों के आधार पर आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे। प्रधानमंत्री ने यह भी भरोसा दिलाया कि बस्ती प्रबंधन के नाम पर किसी के साथ अन्याय नहीं होगा।

मध्य प्रदेश में आज 34 जिलों में आंधी-बारिश की चेतावनी

6 मई ओले गिरने का अनुमान, 7 मई तक रहेगा असर

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में इन दिनों मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। पिछले चार दिनों से तेज गर्मी की जगह आंधी और बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग के अनुसार यह बदला हुआ मौसम अभी कुछ और दिन बने रहने वाला है। मौसम विभाग ने सोमवार को प्रदेश के 34 जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है, जबकि 6 जिलों में ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर और रीवा में आज ओले गिर सकते हैं। इसके अलावा भोपाल, रायसेन, सीहोर, आगर-मालवा, राजगढ़, विदिशा, नर्मदापुरम, बैतूल, ग्वालियर, गुना, शिवपुरी, अशोकनगर, मुरैना, श्योपुर, जबलपुर, कटनी, छिंदवाड़ा, सिवनी, नरसिंहपुर, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, पांढुर्णा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल,

उमरिया, अनूपपुर, सागर, पन्ना और दमोह में तेज आंधी और बारिश की चेतावनी दी गई है। इस दौरान आंधी की रफ्तार 30 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में ट्रफ लाइन और साइक्लोनिक सकुर्लेशन सक्रिय हैं, जिसके कारण यह मौसम बन रहा है। कई इलाकों में ओले गिरने की भी संभावना है और यह स्थिति 7 मई तक बनी रह सकती है। आमतौर पर मई महीने में भीषण गर्मी देखने को मिलती है, लेकिन इस बार इसकी शुरूआत ही आंधी और बारिश के साथ हुई है।

नेत्र रोगों के आधुनिक इलाज और सर्जरी में नई तकनीकों के आदान-प्रदान पर जोर : डॉ. शरद बाजपेई

एजेंसी

कानपुर : नेत्र रोग विशेषज्ञों के बीच आधुनिक तकनीकों और उपचार पद्धतियों का आदान-प्रदान जरूरी है। नई सर्जिकल तकनीकों से जटिल बीमारियों का बेहतर इलाज संभव हो रहा है। सर्जिकल वीडियो के माध्यम से स्किल ट्रांसफर से चिकित्सकों की दक्षता बढ़ेगी। देशभर के विशेषज्ञों के साथ अनुभव साझा करने से इलाज की गुणवत्ता में सुधार आएगा। ऐसी कॉन्फ्रेंस चिकित्सा क्षेत्र को नई दिशा देने का काम करती हैं। यह बातें रविवार को वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. शरद बाजपेई ने कही। कनिका अस्पताल और कानपुर ऑप्थाल्मिक सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में कनिकाकॉन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभर के प्रख्यात नेत्र विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया और नेत्र रोगों के आधुनिक उपचार पर

विस्तार से चर्चा की। कॉन्फ्रेंस में नई तकनीकों के माध्यम से ऑपरेशन, जटिल बीमारियों के उपचार और सर्जिकल प्रक्रियाओं को लेकर विशेष सत्र आयोजित किए गए। सर्जिकल वीडियो के जरिए विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए, जिससे अन्य चिकित्सकों को नई तकनीकों की जानकारी मिली और कौशल विकास को बढ़ावा मिला।

कार्यक्रम के चेयरपर्सन डॉ. शरद बाजपेई ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस का मुख्य उद्देश्य नेत्र रोग विशेषज्ञों के बीच ज्ञान और अनुभव का आदान-प्रदान करना है, ताकि मरीजों को बेहतर और आधुनिक उपचार मिल सके।

कॉन्फ्रेंस में अहमदाबाद से डॉ. तेजस डी शाह, मुंबई से डॉ. कुमार जे डॉक्टर और डॉ. सचिन धरवाडकर, बिदर से डॉ. दीपक मेगुर, चेन्नई से आनंद पार्थसारथी और अलीगढ़ से डॉ. अनुपम आहूजा सहित कई विशेषज्ञों ने भाग लिया। इन विशेषज्ञों ने जटिल सर्जरी और उनके प्रभावी उपचार के तरीकों पर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम का उद्घाटन छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. विनय पाठक और एम्स नई दिल्ली के आर.पी. सेंटर की प्रोफेसर डॉ. नम्रता शर्मा ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर सुधीर अवस्थी और मेरठ मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं डीन प्रोफेसर डॉ. आर.सी. गुप्ता भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के सचिव डॉ. मोहित खत्री ने मोतियाबिंद ऑपरेशन की जटिलताओं और उनके समाधान पर प्रकाश डाला। वहीं कानपुर ऑप्थाल्मिक सोसायटी की अध्यक्ष डॉ. संगीता शुक्ला ने कार्यशाला के माध्यम से स्किल ट्रांसफर की सराहना की।

कॉन्फ्रेंस में बड़ी संख्या में नेत्र रोग विशेषज्ञ और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

एजेंसी

नई दिल्ली : अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर शांति वार्ता शुरू होने की उम्मीद और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई मामूली गिरावट के कारण ग्लोबल मार्केट से आज पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए थे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं एशियाई बाजार में आज तेजी का रुख बना हुआ है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के

दौरान लगातार खरीदारी का माहौल बना रहा। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,230.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। इसी तरह नैस्डेक ने 222.13 अंक यानी 0.89 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,114.44 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया था। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 49,443.64 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,363.93 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.53 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,114.84 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स 337.82 अंक यानी 1.39 प्रतिशत उछल कर 24,292.38 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आज हर ओर खरीदारी का माहौल बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। वहीं थाईलैंड स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से सेट कंपोजिट इंडेक्स में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। गिफ्ट निफ्टी 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,216.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 228.20 अंक यानी 0.38 प्रतिशत की तेजी के साथ 59,513.12 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

ताइवान वेटेड इंडेक्स ने आज जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 1,749.80 अंक यानी 4.50 प्रतिशत की उछाल के साथ 40,676.43 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स ने भी आज चार प्रतिशत से अधिक की तेजी दिखाई है। फिलहाल यह सूचकांक 284.19 अंक यानी 4.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,883.06 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 429.47 अंक यानी 1.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ 26,206 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.67 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,003.76 अंक के स्तर पर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,945.21 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.11 प्रतिशत उछल कर 4,112.16 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

अम्बेडकरनगर : चार बच्चों की हत्या के बाद मां की लाश नाले में मिली,जांच में जुटी पुलिस

अम्बेडकरनगर : उत्तर प्रदेश के अम्बेडकर नगर जिले में जिस महिला पर उसके चार बच्चों की हत्या का आरोप था, उसका शव रविवार की शाम को घर से कुछ दूर नाले में मिला है। पुलिस ने शव की शिनाख्त महिला के पति को फोटो भेजकर कराई है। पुलिस शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच में जुट गई। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने रविवार रात को जारी बयान में बताया कि महरुआ कसड़ा निवासी नियाज अहमद सऊदी में काम करता है। उसकी पत्नी गासिया खातून अपने चार बच्चों सफीक, सउफ, उमर और बेटी बयान बानो उर्फ सादिया के साथ अकबरपुर के मुरादाबाद मोहल्ले में रहती थी। बीते शनिवार को चार बच्चों की लाश कमरे में मिली थी, जबकि बच्चों की मां गासिया खातून घर से गायब थी। पुलिस को सूचना मिली कि एक महिला ने अपने चार बच्चों की हत्या कर भाग गयी है। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम भेजकर फरार महिला की तलाश में पुलिस की कई टीमें लगाई गईं। पुलिस टीम को फरार महिला की लाश घर से कुछ दूरी पर नाले में मिली है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मृतका की पहचान आसपड़ोस और सऊदी में रह रहे पति नियाज से करवाई है। एसपी ने बताया कि महिला के शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह पता चल पाएगा कि उसने खुदकुशी की है या फिर साजिशन हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है। फिलहाल पुलिस सभी बिन्दुओं पर जांच कर रही है।

पुलिस मुठभेड़ : साथी लुटेरा गिरफ्तार पैर में लगी गोली

नोएडा : उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना बीटा- दो में पुलिस ने बीती रात को एक मुठभेड़ के दौरान शातिर लुटेरे को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली उसके पैर में लगी । पुलिस ने घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया । इसके पास से पुलिस ने लूटी हुई सोने की चेन, देशी तमंचा, कारतूस और घटना में प्रयुक्त होने वाली मोटरसाइकिल बरामद की है। उक्त बदमाश के ऊपर पूर्व में 14 मुकदमे दर्ज है। अपर पुलिस उपायुक्त ग्रेटर नोएडा सुधीर कुमार ने बताया कि थाना बीटा- दो के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार अपनी पुलिस टीम के साथ रविवार की देर रात को गस्त पर थे, तभी उन्हें सूचना मिली कि कुछ बदमाश लूटपाट करने की नीयत से मोटरसाइकिल पर सवार होकर थाना क्षेत्र में घूम रहे हैं। पुलिस ने बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए बैरियर लगाकर चेकिंग शुरू की। गामा- दो सेक्टर के गेट नंबर- 3 के पास दो बदमाश बाइक पर सवार होकर आते हुए दिखाई दिए। शक होने पर पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो बदमाश रुकने की बजाए पुलिस पार्टी पर जान से मारने की गोली नियत से गोली चलाते हुए मौके से भागे। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली सोनू श्रीवास्तव पुत्र तुलसी के पैर में लगी और वह घायल हो गया। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बदमाश का एक साथी मोनू श्रीवास्तव मौके से भाग गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही है। उक्त बदमाश के पास से पुलिस ने एक देशी तमंचा, घटना में प्रयुक्त होने वाली चोरी की मोटरसाइकिल, लूटी गई सोने की चेन आदि बरामद किया है। मुठभेड़ के दौरान घायल बदमाश के खिलाफ पूर्व में लूटपाट, हत्या के प्रयास, चोरी सहित विभिन्न धाराओं में पूर्व में 14 मुकदमे दर्ज हैं। यह कई बार पुलिस द्वारा गिरफ्तार हो चुका है।

उप्र के अंबेडकर नगर में सड़क हादसा, 8 की मौत

अंबेडकर नगर : उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर जिले में रविवार देररात हुए सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई हो गई। अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) तेजवीर सिंह ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि रात 11.30 बजे अकबरपुर जलालपुर मार्ग पर अशरफपुर भुवा भट्ठ के पास दो बाइक सवार की आपस में टक्कर हुई। हादसे में बाइक सवार दो व्याक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायल व्यक्तियों को आसपास से कुछ लोग अस्पताल भेजने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान जलालपुर से आ रही एक स्विफ्ट डिजायर कार ने अनियंत्रित होकर वहां खड़े लोगों को टक्कर मार दी। इस घटना में 6 अन्य लोग भी गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर तत्काल क्षेत्राधिकारी जलालपुर एवं थाना जलालपुर पुलिस पहुंची और लोगों के सहयोग से घायलों को सीएचसी जलालपुर नगपुर ले जाया गया, जहां छह व्यक्तियों को मृत घोषित कर दिया गया। दो गम्भीर रूप से घायल व्यक्तियों को जिला अस्पताल रेफर किया गया था, जहां से उन्हें टांडा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। उपचार के दौरान उन दो व्यक्तियों की भी मृत्यु हो गई।

उत्तर प्रदेश के जालौन में सड़क हादसा, छह की मौत

उरई : उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में आज सुबह सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा झांसी-कानपुर नेशनल हाइवे पर कालपी क्षेत्र के जोल्हुपुर गांव के पास हुआ। पुलिस के अनुसार, एक टवेरा कार सवार परिवार अयोध्या में श्रीराम मंदिर के दर्शन कर ललितपुर लौट रहा था। इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर पलट गई और उस पर सवार सभी लोग फंस गए। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और बचाव दल मौके पर पहुंचा और कार के दरवाजे को काटकर घायलों और शवों को बाहर निकाला गया।
सभी को नजदीकी अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने छह लोगों को मृत घोषित कर दिया। बाकी चार घायलों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद हाइवे पर लंबा जाम लग गया। पुलिस मृतकों और घायलों की पहचान में जुटी है।

दूल्हे की हत्या के आरोपितों को शरण देने वाले 8 गिरफ्तार

जौनपुर : यूपी के जौनपुर में अपराध नियंत्रण अभियान के तहत खेतासराय थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह के निर्देशन में पुलिस टीम ने बारात जाने के दौरान बीच सड़क पर दूल्हे की गोली मारकर हत्या करने वाले वांछित 25-25 हजार रुपये के इनामी अभियुक्तों को शरण देने और फरार होने में मदद करने वाले 8 सहयोगियों को शनिवार देर रात गिरफ्तार किया है।यह कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज गिरीन्द्र सिंह के नेतृत्व में की गई। रविवार को मामले की जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी शाहगंज गिरेन्द्र सिंह ने बताया कि खेतासराय थाना में दर्ज मुकदमे में वांछित अभियुक्तों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित है। इन आरोपियों को सोंगर मोड़ स्थित कब्रिस्तान के पास शरण देने और उन्हें भगाने में सहयोग करने वाले 8 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और सभी को विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायालय भेजा जा रहा है।गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम :रामजीत विन्द, आदित्य गौतम, कमलेश यादव, गुलशन राजभर, साहिल राजभर, सचिन राजभर, शोले राजभर और बृजमोहन विन्द शामिल हैं। क्षेत्राधिकारी ने कहा अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और उन्हें शरण देने वालों के विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बिहार के भागलपुर में गंगा नदी के विक्रमशिला सेतु का स्लैब टूटा, आधी रात से आवाजाही बंद

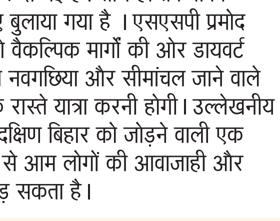

भागलपुर : बिहार के भागलपुर में गंगा नदी पर बना विक्रमशिला सेतु एक बार फिर खतरे की जद में आ गया है। आधी रात करीब 12:50 बजे पुल के पिलर नंबर 133 के पास सड़क का एक बड़ा स्लैब अचानक टूटकर गंगा में गिर गया। गनीमत रही कि मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों और प्रशासन की सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया। उस समय पुल पर कई वाहन मौजूद थे। लेकिन समय रहते सभी को पीछे हटाकर सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। घटना की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी नवल किशोर चौधरी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा के मद्देनजर विक्रमशिला सेतु पर आवागमन पूरी तरह बंद कर दिया गया है। पुल के दोनों छोर पर बैरिकेडिंग कर दी गई है। साथ ही तकनीकी विशेषज्ञों की टीम को जांच के लिए बुलाया गया है । एसएसपी प्रमोद यादव ने बताया कि सभी वाहनों को वैकल्पिक मार्गों की ओर डायवर्ट किया जा रहा है। अब भागलपुर से नवगछिया और सीमांचल जाने वाले लोगों को मुंगेर और सुल्तानगंज के रास्ते यात्रा करनी होगी। उल्लेखनीय है कि विक्रमशिला सेतु उत्तर और दक्षिण बिहार को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इसके बंद होने से आम लोगों की आवाजाही और व्यापारिक गतिविधियों पर असर पड़ सकता है।

न्यूज IN ब्रीफ

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, गांव में मातम

मेदिनीनगर/पलामू : जिले के पांकी थाना क्षेत्र अंतर्गत तेतराई में रविवार शाम दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान लेसलीगंज थाना क्षेत्र के नौडीहा गांव निवासी चंदन राम के रूप में हुई है। बताया जाता है कि किसी कार्य से जा रहे चंदन राम की बाइक को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पांकी थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया तथा दुर्घटनाग्रस्त वाहन को जब्त कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मचा है, वहीं पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

पुलिस हिरासत से भागने का आरोपी बरी

जमशेदपुर : बागबेड़ा थाना हाजत से भागने का आरोपी रोहित सुरीन सोमवार को प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत से बरी हो गया। बताया जाता है कि पुलिस ने रोहित सुरीन को 2020 में पोक्सो एक्ट के मामले में गिरफ्तार किया था। इससे बागबेड़ा थाना में पुलिस के बयान पर केस दर्ज हुआ था। कुछ दिनों बाद पुलिस ने उसे पकड़ कर जेल भेजा था।

आरपीएफ ने चोरी और रेलवे एक्ट में नौ को पकड़ा

जमशेदपुर : टाटानगर के आरपीएफ जवानों ने रेलवे संपत्ति चोरी मामले में एक और रेलवे एक्ट उल्लंघन मामले में रविवार और सोमवार को नौ लोगों को गिरफ्तार किया। चोरी से आरोपी को कोर्ट में पेश कर आरपीएफ में सोमवार को जेल भेज दिया जबकि रेलवे एक्ट उल्लंघन महिला बोगी और दिव्यांग कोच में चढ़ने, लाइन पार करने एवं अन्य आरोप में सभी के खिलाफ रेलवे अदालत से जुमार्ना हुआ है। आरपीएफ के अनुसार विभिन्न मामलों के तीन वारंटी को भी पकड़ कर जेल भेजा गया।

डीसी ने किया सदर अस्पताल का निरीक्षण

जमशेदपुर : पूर्वी सिंहभूम जिला के उपायुक्त ने सोमवार को सदर अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में वह सबसे पहले ओपीडी गए जहां डॉक्टरों की उपस्थिति देखी और मरीजों से उनकी समस्या पूछा। उसके बाद वह इमरजेंसी की स्थिति का जायजा लिया। पास में ही बने कैंटीन में साफ सफाई को देखने पहुंचे। उपायुक्त आईसीयू, एसएनसीयू और नए एचडीयू को भी देखने पहुंचे। उन्होंने टीकाकरण केंद्र का भी निरीक्षण किया। वह सिविल सर्जन कार्यालय में बैठक भी किए जिसमें सिविल सर्जन के अलावा उपाधीक्षक सहित अन्य पदाधिकारी थे। उन्होंने बेड की तुलना में मरीजों की स्थिति, दवाइयां की उपलब्धता की भी जानकारी ली।

कांग्रेस के संगठन विस्तार में डॉ। अजय समर्थकों को मिले महत्वपूर्ण पद

जमशेदपुर : कांग्रेस के प्रदेश कार्यसमिति के गठन सह विस्तार में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व सांसद डॉ। अजय कुमार की चली है। ऐसा उनके विरोधी भी कह रहे हैं। यही वजह है कि उनके समर्थकों में से कई को महत्वपूर्ण पद हासिल हुए हैं। विजय यादव, रईस रिजवी छब्बन, धर्मेन्द्र सोनकर आदि उन्हीं के खेमे के नेता बताए जाते हैं। विजय यादव व धर्मेन्द्र सोनकर प्रदेश महासचिव जबकि छब्बन प्रदेश सचिव का पद पा गये हैं। ये तीनों पहली बार प्रदेश कमेटी में शामिल हुए हैं। दूसरी ओर, पूर्व जिलाध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे को कम महत्वपूर्ण प्रदेश कोऑर्डिनेटर के रूप में जगह मिली है।

न्यायिक अधिकारियों ने रैली निकाल लोगों को किया जागरूक

धनबाद : लोगों को कानूनी रूप से साक्षर बनाने और उन्हें जागरूक करने के उद्देश्य से रविवार को 90 दिवसीय आउटरीच कार्यक्रम की शुरूआत हुई। प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डालसा दुर्गेश चंद्र अवस्थी की अगुवाई में न्यायिक पदाधिकारियों ने रविवार को प्रभातफेरी निकाली। रैली सिविल कोर्ट धनबाद से निकल कर रणधीर वर्मा चौक होते हुए वापस सिविल कोर्ट पहुंची। न्यायाधीश ने बताया कि 90 दिनों तक न्यायिक पदाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम हर क्षेत्र में जाकर कानूनी जागरूकता फैलाएगी। उन्होंने बताया कि नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100, डायन बिसाही मामले को लेकर हेल्पलाइन नंबर 181 सहित अन्य हेल्पलाइन नंबर के विषय में लोगों को बताया जाएगा। अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि इस 90 दिनों के कार्यक्रम के दौरान न्यायिक पदाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीमें जिसमें लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम की टीम, एनजीओ, पैनल अधिवक्ता असौ पीएलवी शामिल हैं। सभी डोर टू डोर जाकर लोगों को कानून व विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी देंगे। स्कूल-कॉलेजों में छात्र छात्राओं के बीच वाद-विवाद, निबंध, पेंटिंग, भाषण, प्रभात फेरी आदि का आयोजन किया जाएगा। बाल विवाह, साइबर ठगी, ड्रग, डायन बिसाही, बाल मजदूरी आदि के बारे लोगों को जागरूक किया जाएगा। महिला, दिव्यांगजन, एसटी-एससी, वृद्धजन आदि की मदद की जाएगी।प्रभात फेरी में जिला एवं सत्र न्यायाधीश पारस कुमार सिन्हा, प्रफुल्ल कुमार, कुमार साकेत, बिकेश, अवर न्यायाधीश निर्मला बारला, समा रोशनी कुल्लू , परमानंद उपाध्याय, संतोषिनी मुर्मू, अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी अभिजीत पांडेय, रेलवे के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी मनोज कुमार, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी ऋषि कुमार, शिवानी शर्मा, अर्पिता नारायण समेत तमाम न्यायिक पदाधिकारी एलएडीसीएस चीफ कुमार विमलेंदु, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक कांउसिल नीरज गोयल, शैलेंद्र, सुमन पाठक, कन्हैया लाल ठाकुर, डालसा सहायक अरुण कुमार, सौरव सरकार, राजेश सिंह, एनसीसी की पांचवीं वाहिनी टीम, मीडिएटर अधिवक्ता की टीम, पारा लीगल वालंटियर सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

कलियासोल में बनेगा नया स्टेडियम, सरकार ने दी मंजूरी

धनबाद : स्टेडियम की कमी से जूझ रहे खिलाड़ियों के लिए अच्छी खबर है। ग्रामीण क्षेत्र कलियासोल प्रखंड के पाथरकुंआ में सात एकड़ जमीन पर नया स्टेडियम तैयार किया जाएगा। जिला खेल विभाग के इस प्रस्ताव पर राज्य सरकार ने अपनी सहमति देते हुए डीपीआर को मंजूर कर लिया है। धनबाद के ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। खासकर निरसा-कलियासोल का इलाका बंगाल से सटे होने की वजह से यहां फुटबॉल में कई प्रतिभावान खिलाड़ी मौजूद हैं। इन खिलाड़ियों को अब एक अच्छे स्टेडियम की सुविधा मिलेगी। जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहरा ने बताया कि इस स्टेडियम को तैयार करने में दो करोड़ 60 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। इस स्टेडियम में एथलेटिक्स और फुटबॉल खेल का आयोजन किया जाएगा। पर्यटन कला संस्कृति एवं खेलकूद विभाग ने इसकी डीपीआर को मंजूरी दे दी है। कलियासोल में लंबे समय से स्टेडियम की मांग अब पूरी होने वाली है. जिला खेल विभाग ने धनबाद के तीन और प्रखंडों में स्टेडियम निर्माण का प्रस्ताव कला संस्कृति एवं खेलकूद विभाग को भेजा है। धनबाद के सभी प्रखंडों में ग्रामीण प्रतिभा को निखारने के लिए राज्य सरकार स्टेडियम निर्माण को मंजूरी दे रही है। जिला खेल विभाग ने टुंडी, एग्यारकुंड और पूर्वी टुंडी में नया स्टेडियम बनाने का प्रस्ताव भेजा है। जिला खेल पदाधिकारी ने कहा कि उम्मीद है कि जल्द ही इसकी डीपीआर तैयार कर मंजूरी दी जाएगी।

गांव को जिला मुख्यालय से जोड़ने वाली सड़क का खस्ताहाल

मरम्मत नहीं हुई तो कट जाएगा सैकड़ों लोगों का संपर्क

संवाददाता

लातेहार : जिला मुख्यालय से सदर प्रखंड के लोधवा-पतरातू समेत कई अन्य गांवों को जोड़ने वाली पक्की सड़क पर इन दिनों खतरे की घंटी बज रही है। सड़क में हो रहे लगातार कटाव के कारण सड़क के अस्तित्व पर ही प्रश्न चिन्ह खड़ा हो गया है। सड़क की स्थिति से स्थानीय ग्रामीण भी चिंतित हैं।

कई जगह टूट चुकी है सड़क

सड़क कई स्थानों पर आधे से अधिक कट चुकी है। जिस कारण सड़क पर बड़ी गाड़ियों का परिचालन भी प्रभावित होने लगा है। लगभग 4 वर्ष पूर्व इस सड़क का निर्माण किया गया था। लेकिन सड़क के किनारे जरूरत के अनुसार गार्डवाल नहीं दिए जाने के कारण सड़क का कटाव आरंभ हो गया है। पिछले वर्ष बरसात से सड़क में मिट्टी कटाव की स्थिति लगातार बढ़ती जा रही है। संभावना है कि यदि इसकी मरम्मत नहीं कराई गई तो आने वाले बरसात के बाद सड़क पर गाड़ियों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाएगा।

स्थानीय ग्रामीण निरंजन उरांव, चंदन गंझु आदि ने बताया कि सड़क की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। गांव को मुख्यालय तक जोड़ने के लिए यही एकमात्र सड़क है। यदि सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो बरसात में सड़क पूरी तरह कट जाएगी। इसके बाद हजारों लोगों के समक्ष आवागमन की विकट समस्या उत्पन्न हो जाएगी।

ग्रामीणों की शिकायत पर निरीक्षण करने पहुंचे जिला परिषद सदस्य

इधर ग्रामीणों की शिकायत पर लातेहार जिला परिषद सदस्य विनोद उरांव सड़क में हो रहे कटाव का निरीक्षण करने पहुंचे। सड़क की स्थिति को देखकर उन्होंने गहरी चिंता जताई। जिला परिषद ने कहा कि अगर सड़क के किनारे गार्डवाल बनाकर इसकी मरम्मत नहीं कराई गई तो यहां के ग्रामीणों के लिए भारी परेशानी उत्पन्न हो जाएगी।

जिप सदस्य विनोद उरांव ने बताया कि जैसी स्थिति है, उसके अनुसार बरसात में सड़क पर चलना भी मुश्किल हो जाएगा। उसके बाद यदि किसी की तबीयत भी खराब हुई तो उसे अस्पताल भी पहुंचाना कठिन होगा। उन्होंने कहा कि मामले को लेकर वह जिले के संबंधित अधिकारियों से बातचीत करेंगे और उनका प्रयास होगा कि सड़क की मरम्मत जल्द हो जाए।

कराई जाएगी मरम्मत

हालांकि मामले के संबंध में लातेहार प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज तिवारी ने कहा कि ग्रामीण सड़कों के निर्माण और मरम्मत को लेकर संबंधित विभाग को पत्राचार किया जाएगा। प्रयास किया जाएगा कि सड़क की मरम्मत जल्द हो जाए। उन्होंने आम ग्रामीणों से भी अपील की है कि गांव की किसी भी समस्या को लेकर अधिकारियों को अवगत अनिवार्य रूप से कराएं, ताकि समस्याओं का सही समय पर निदान किया जा सके।

हजारीबाग एसपी ने साबित कर दिया कि अपराधी डाल-डाल है तो पुलिस पात पात

बिनय मिश्रा

हजारीबाग जिला के बरही थाना अंतर्गत बैंक लूट कांड की उद्भेदन और अपराधियों की गिरफ्तारी तथा रकम और सोने की बरामदगी हजारीबाग पुलिस के सफलता की कहानी स्वयं बयां कर रही है और इसका श्रेय निश्चित तौर पर पुलिस कप्तान अमन कुमार और उनकी जिला पुलिसको जाती है हजारीबाग जिला में पुलिस अधीक्षक के रूप में योगदान देने के पश्चात से ही अमन कुमार ने अपने प्राथमिकता बताते हुए कहा था कि अपराध नियंत्रण बेहतर माहौल और शांति व्यवस्था उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है पुलिस अधीक्षक ने जिला वासियों से जो कहां उसे सत्य चरितार्थ भी कर दिखाया है हजारीबाग जिला के बरही में बैंक में हुई लूट कांड का उद्वेदन अपराधियों की गिरफ्तारी और लूट की रकम और सोने की बरामदगी कर पुलिस ने यह साफ कर दिया है कि हजारीबाग जिला पुलिस अपराधियों को पाताल से भी ढूंढ निकालेंगी जिला वासियों की विश्वास भरोसा और उनकी सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च जिम्मेदारी है भारतीय पुलिस सेवा 2014 बैच के आईपीएस अधिकारी अमन कुमार राज्य के उन सफलतम पुलिस अधीक्षक में शामिल है जिनकी उपलब्धि और कामयाबी ही उनकी सशक्त पहचान है श्री कुमार रांची के सिटी एसपी धनबाद जिला के ग्रामीण एसपी साहिबगंज के लोकप्रिय पुलिस अधीक्षक खूंटी जिला में 3 वर्षों से अधिक समय तक एसपी के रूप मेंअपने पदा स्थापना काल के दौरान अपने बेहतर कुशल कार्यों से नक्सलियों को बैक फुट पर भेजने के साथ-साथ खूंटी जिला में नक्सलियों के असर को बेअसर करने में सफल रहे इनकी लंबी प्रशासनिक दक्षता और उपलब्धि कामयाबी को देखते हुए राज्य सरकार ने गढ़वा जिला का पुलिस अधीक्षक बनाया वहां भी श्री कुमार कुछ महीने में है पुलिस की छवि और उपलब्धि भरे कार्यों से लोकप्रिय पुलिस अधीक्षक के रूप में अपनी सशक्त पहचान बनायी तत्पश्चात उन्हें हजारीबाग का पुलिस कप्तान बनाया गया हजारीबाग जिला में उनके योगदान देने के पक्ष से बड़ी में बैंक लूट कांड की घटना घटी और शीघ्र ही इस लूट कांड में शामिल अभियुक्त की गिरफ्तारी और नगद राशि तथा सोना भी बरामद कर लिया गया हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने यह साफ कर दिया कि जिला में अपराधी जितने भी साथी रहो किंतु हजारीबाग के पुलिस से बचना मुश्किल ही नहीं बल्कि नामुमकिन है ऐसे आईपीएस अधिकारी से निश्चित तौर पर विभाग राज्य और जिला गौरवान्वित होते हैं।

धनबाद एयरपोर्ट के लिए केंद्र को जल्द प्रस्ताव भेजेगी राज्य सरकारः अरूप चटर्जी

संवाददाता

धनबाद : कोयला नगरी धनबाद में एयरपोर्ट निर्माण की प्रक्रिया अब तेज होती दिख रही है। राज्य सरकार जल्द ही इस दिशा में केंद्र सरकार को औपचारिक पत्राचार करेगी। यह जानकारी निरसा के विधायक अरूप चटर्जी ने सर्किट हाउस में दी।

विधायक ने बताया कि इस मुद्दे को लेकर 7 मई को वे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात करेंगे। उम्मीद जताई जा रही है कि आगामी एक महीने के भीतर राज्य सरकार की ओर से धनबाद डीसी को पत्र भेज दिया जाएगा, जिसके बाद जमीन चिन्हित करने की प्रक्रिया रफ्तार पकड़ेगी। विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि एयरपोर्ट के लिए तोपचांची क्षेत्र को प्राथमिकता में रखा गया है और यहां जमीन चिन्हित की दिशा में प्रयास तेज किए जाएंगे।

एयरपोर्ट की मांग को लेकर विधायक को सौंपा ज्ञापन

धनबाद में एयरपोर्ट की मांग को लेकर ह्लमिशन एयरपोर्ट धनबादह्व लगातार सक्रिय है। इसी क्रम में संगठन और जीटा के प्रतिनिधियों ने सर्किट हाउस में विधायक अरूप चटर्जी को ज्ञापन सौंपा है और इस परियोजना को जल्द आगे बढ़ाने की मांग की है।

निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने बताया कि शुरूआती चरण में एयरपोर्ट के लिए लगभग 110 एकड़ जमीन की आवश्यकता होगी। वहीं, मिशन एयरपोर्ट और जीटा की भी यही मांग है कि एयरपोर्ट का निर्माण तोपचांची में ही किया जाए, ताकि पर्यटन को भी बढ़ावा मिल सके।

मिशन एयरपोर्ट चला रहा हस्ताक्षर अभियान

मिशन एयरपोर्ट के पदाधिकारियों के अनुसार, इस मांग के समर्थन में लगातार हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। अब तक करीब 10 हजार लोगों का समर्थन मिल चुका है, जबकि लक्ष्य 12 लाख हस्ताक्षर जुटाने का है। उनका दावा है कि यह अभियान एक विश्व रिकॉर्ड भी स्थापित कर सकता है।

ऋचा मिश्रा को न्याय दिलाने की हुंकार

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : शहर में एक बार फिर दहेज प्रथा का कड़वा सच सामने आया है।ऋचा मिश्रा की असमय मौत ने न सिर्फ एक परिवार को तोड़ा है बल्कि पूरे समाज के सामने कई असहज सवाल खड़े कर दिए हैं।लेकिन इस खामोशी के बीच खुला मंच व्हाट्सएप ग्रुप ने आगे बढ़कर पहल की है उसने यह संकेत दिया है कि अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने वाले अभी भी मौजूद हैं।

सोमवार की सुबह खुला मंच व्हाट्सएप ग्रुप के अध्यक्ष नवदीप सिंह ऋषि,प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी नवीन तिवारी, कोषाध्यक्ष राहुल मिश्रा और सह-कोषाध्यक्ष रितेश कुमार टिंकू के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ऋचा मिश्रा के मायके पहुंचा।इस दौरान मंच के वरिष्ठ सदस्य अमर सहाय,बबलू चावला,विजय गुप्ता,संकेत गुप्ता, अजीत पाठक सहित कई लोग मौजूद रहे।सभी ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की और यह भरोसा दिलाया कि न्याय की इस लड़ाई में मंच पूरी मजबूती से उनके साथ खड़ा रहेगा।

परिजनों ने ऋचा की मौत को लेकर ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं।दहेज प्रताड़ना को लेकर मुकदमा दर्ज कराया गया है जो इस घटना की गंभीरता को स्पष्ट करता है।यह केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं बल्कि उस सामाजिक बुराई का परिणाम है जो आज भी बेटियों के जीवन को निगल रही है।

गौरतलब है कि लगभग एक वर्ष पूर्व ही ऋचा की शादी ग्राम बनपुरवा निवासी और वर्तमान में जीएलए कॉलेज गेट के पास रहने वाले अभिषेक दूबे के साथ हुई थी।एक साल के भीतर ही एक बेटी की जिंदगी का इस तरह समाप्त हो जाना कई गंभीर सवालों को जन्म देता है क्या यह सिर्फ एक हादसा है या इसके पीछे एक सुनियोजित उत्पीड़न छिपा है?

खुला मंच व्हाट्सएप ग्रुप ने स्पष्ट रूप से कहा है कि दहेज लोभियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए। मंच का यह रुख न केवल पीड़ित परिवार के लिए संबल है बल्कि समाज के लिए भी एक संदेश है कि अब चुप रहने का समय बीत चुका है। आज जरूरत है कि समाज इस तरह की घटनाओं पर सिर्फ दुख जताने तक सीमित न रहे बल्कि एकजुट होकर दहेज जैसी कुरीति के खिलाफ खड़ा हो। ऋचा मिश्रा की मौत एक चेतावनी है अगर अब भी आवाज नहीं उठी तो न जाने कितनी और बेटियां इस आग में झोंक दी जाएंगी।

मुनीडीह हादसे की जांच के लिए चार सदस्यीय कमेटी बनी

संवाददाता

धनबाद : स्लरी लोडिंग के दौरान दबने से चार मजदूरों की मौत को बीसीसीएल प्रबंधन ने गंभीरता से लिया है। सीएमडी के निर्देश पर जीएम सेफ्टी के नेतृत्व में चार सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। कमेटी तीन दिन में प्रबंधन को रिपोर्ट सौंपेगी। कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर लोडिंग आदि में खामियों पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं एरिया जीएम अरिंदम मुसतफी ने भी एक कमेटी बनाई है, जो घटना के विभिन्न पहलुओं की जांच कर सुरक्षा संबंधी ब्लूप्रिंट प्रबंधन को सौंपेगी। कोयला भवन से मामले पर एक रिपोर्ट कोयला मंत्रालय को भेजी गई है। अंदरखाने जो सूचना है, उसके अनुसार घटना का कारण डीओ होल्डरों की लापरवाही और लोडिंग में हस्तक्षेप के कारण माना जा रहा है। कोयला भवन से एरिया जीएम को सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया गया है। मालूम हो कि शनिवार को मुनीडीह वाशरी के लोडिंग प्वाइंट पर चार असंगठित मजदूर स्लरी स्लाइड होने पर दबकर मर गए। सभी लोडिंग मजदूर लोडिंग कराने वाले ठेकेदार और डीओ होल्डर से जुड़े थे।जांच रिपोर्ट आने में अभी तीन दिन का समय लगेगा, वैसे घटना के लिए प्रथमदृष्टया जिनकी जिम्मेदारी मानी जा रही है, उनमें लोडिंग कराने और डीओ से जुड़े लोग हैं। इन सभी के बारे में कोयला भवन से सख्त कार्रवाई का निर्देश एरिया जीएम को दिया गया है। मामले में जीएम अरिंदम मुस्तफी ने कहा कि थाना में एफआईआर दर्ज करने के लिए आवेदन दिया गया है।

हजारीबाग में सबसे बड़ी बैंक डकैती का खुलासा, तीन गिरफ्तार

हजारीबाग : जिले के सबसे बड़े बैंक डकैती का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। 24 अप्रैल को बरही थाना अंतर्गत बैंक ऑफ महाराष्ट्र बरही शाखा से लगभग 4 किलो सोना और चार लाख 22 हजार रुपए का डकैती हुई थी। इस घटना का उद्भेदन के लिए एसआईटी का गठन किया गया था। सदर एसडीपीओ अमित आनंद और बरही एसडीपीओ अजीत कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने टेक्निकल सेल और सीसीटीवी कैमरे की मदद से घटना का उद्भेदन किया है। हजारीबाग एसपी अमन कुमार ने बताया कि घटना का उद्भेदन को लेकर बिहार, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों के पुलिस से मदद ली गई।

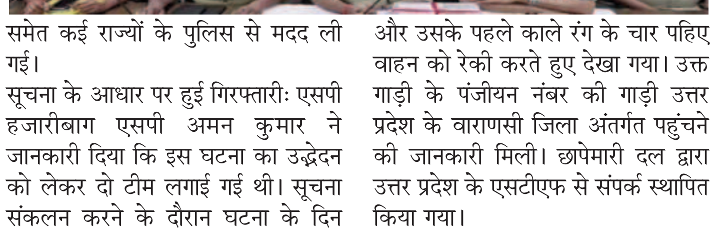

सूचना के आधार पर हुई गिरफ्तारीः एसपी हजारीबाग एसपी अमन कुमार ने जानकारी दिया कि इस घटना का उद्भेदन को लेकर दो टीम लगाई गई थी। सूचना संकलन करने के दौरान घटना के दिन और उसके पहले काले रंग के चार पहिए वाहन को रेकी करते हुए देखा गया। उक्त गाड़ी के पंजीयन नंबर की गाड़ी उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिला अंतर्गत पहुंचने की जानकारी मिली। छापेमारी दल द्वारा उत्तर प्रदेश के एसटीएफ से संपर्क स्थापित किया गया। यूपी एसटीएफ के संयुक्त सहयोग से राजभर बस्ती सिंहपुर स्थित हरुआ रिंग रोड थाना सारनाथ से गुजरते वक्त कार घेर लिया गया। उक्त गाड़ी से तीन व्यक्ति से पूछताछ की गई। सीसीटीवी फुटेज से मिलान करने पर अपराधियों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया गया। गाड़ी की तलाशी में लूटे गए लगभग एक किलो सोने का आभूषण और 20 लाख रुपया बरामद किया गया। वहीं घटना के उपयोग में लाया गया दो मोटरसाइकिल बिहार के गयाजी रेलवे स्टेशन के पार्किंग से बरामद की गई है।

हजारीबाग एसपी अमन कुमार ने यह भी जानकारी दिया कि घटना के उद्भेदन को लेकर टीम के द्वारा बिहार, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश में इस तरह के घटना को अंजाम देने वाली घटना को लेकर अध्ययन किया गया। एफएसएल की टीम ने भी विभिन्न पहलुओं की जांच की और साक्ष्य संकलन किया गया। इसके बाद यह सफलता मिली है। इस पूरे घटना में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर का रहने वाला 39 वर्षीय पंकज कुमार उर्फ रौनक सिंह, बिहार के नवादा का रहने वाला 36 वर्षीय मोहम्मद अफजल और उत्तर प्रदेश के मऊ का रहने वाला 35 वर्षीय सौरभ कुमार यादव सोनू को गिरफ्तार किया गया है।